▪ माघ शुक्ल - 8 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 174 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 18-01-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

|| जय श्री श्याम ||

हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा

खाटू वाले श्याम की जय

हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा

हारे के सहारे की जय

खूब सजा है बाबा दरबार तुम्हारा, हर काज संवरता है यहां हमारा
बेंगलूरु में लगा है दरबार निराला, जन्मोजन्म तक बाबा बस तेरा ही सहारा।

विशेष : आज श्याम मंदिर भक्तों के दर्शनार्थ पूरे दिन खुला रहेगा।

बाबा के चरणों में नतमस्तक

बाबा श्याम भक्त	किशोरीलाल मोहता परिवार	बाबा श्याम भक्त
रेवंतमल विकासकुमार झंवर परिवार	डॉ सतीश गोयल परिवार	प्रभात किशनपुरिया परिवार
सज्जन रामकिशन शर्मा परिवार	लक्ष्मीनारायण देवकीनंदन डागा परिवार	कमलेश रामगोपाल डीडवानिया परिवार
सुनीलकुमार जुगलकिशोर शाह परिवार	डॉ मुकेशकुमार जांगीड़ परिवार	अर्जुनलाल, डॉ अभिषेक, अंकित मोदी
मनीष महनसरिया परिवार	उपेश शर्मा परिवार	TASTIQUE NAGWARA FINE DINE VEG. RESTAURANT : 93806 58212

अयोध्याः राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा से पहले के अनुष्ठानों के तहत दूसरे दिन 'कलश पूजन' किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या स्थित राम मंदिर में 22 जनवरी के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले किए जा रहे अनुष्ठानों के तहत दूसरे दिन बुधवार को सरयू नदी के तट पर 'कलश पूजन' किया गया। मंदिर ट्रस्ट के एक सदस्य ने यह जानकारी दी। अनुष्ठानों का सिलसिला मंगलवार को शुरू हुआ जो बुधवार को यहां सरयू नदी के तट पर 'यजमान' (मुख्य यजमान) द्वारा 'कलश पूजन' के साथ जारी रहा। इसके पहले मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा था कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन होने वाले अनुष्ठानों से पहले के इन अनुष्ठानों का सिलसिला 21 जनवरी तक जारी रहेगा।

राय ने कहा था कि समारोह के दिन राम लला की प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा से जुड़े न्यूनतम जरूरी अनुष्ठानों को किया जाएगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा, उनकी पत्नी और अन्य लोगों ने सरयू नदी तट पर 'कलश पूजन' किया। मिश्रा ने कहा, आज सरयू तट पर कलश पूजन का कार्यक्रम हुआ। इसके बाद सरयू नदी के जल से भरे बर्तन उस स्थान (राम मंदिर परिसर) पर ले जाएंगे जहां समारोह से पहले के अनुष्ठान किए जा रहे हैं।

सिंधिया, योगी ने अयोध्या को कोलकाता से जोड़ने वाली उड़ान सेवा को हरी झंडी दिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अयोध्या को कोलकाता से जोड़ने वाली 'एयर इंडिया एक्सप्रेस' की उड़ान सेवा को हरी झंडी दिखाई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डिजिटल के माध्यम से लखनऊ से हरी झंडी दिखाकर उड़ान सेवा की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या आने वाले समय में देश और दुनिया में पर्यटन स्थल के रूप में सबसे प्रमुख शहर बनने जा रहा है। उन्होंने कहा, अयोध्या में स्थानीय श्रद्धालु काफी संख्या में आते हैं, लेकिन यहां आने के लिए पूरे देश में जिस तरह की आतुरता है उसे देखते हुए श्रद्धालुओं के आवागमन को सुलभ बनाना हमारा दायित्व है, जिसे हमने निभाया है। इसके लिए नागर विमानन मंत्रालय ने जो काम किया है वह सराहनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा, चार अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के साथ आज उत्तर प्रदेश हवाई संपर्क के मामले में एक महत्वपूर्ण राज्य के रूप में उभरा है। प्रधानमंत्री ने 30 दिसंबर को अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी हवाई अड्डे का उद्घाटन किया था। दिल्ली, मुंबई और अहमदाबाद से उड़ानों के बाद अब अयोध्या से कोलकाता और बेंगलूरु के लिए भी 'एयर इंडिया एक्सप्रेस' की यह सेवा शुरू होने जा रही है।

योगी ने कहा, अयोध्या भारत की सनातन आस्था का प्रतीक तो है ही, साथ ही प्रभु श्रीराम भी हमारे धर्म, काम और मोक्ष से जुड़े पुरषार्थ के प्रतीक हैं। पांच वर्षों के एक लंबे अंतराल के बाद पूरे देश ने अयोध्या के प्रति अपनी आस्था को व्यक्त किया है। आज उसका परिणाम हमारे सामने है। 22 जनवरी 2024 को रामलला अपनी जन्मभूमि पर अपने मूर्त रूप में विराजमान होंगे। उन्होंने कहा, स्वाभाविक है कि पूरे देश में अयोध्या आगमन के लिए उत्सुकता और आतुरता है। उनके अयोध्या आगमन के लिए क्या संभावनाएं हो सकती हैं, इसके लिए आज से छह वर्ष पहले कल्पना कर ली गई थी कि अयोध्या में सड़कों को चार लेन का किया जाएगा। अयोध्या रेलवे लाइन का दोहरीकरण कार्य किया जाएगा। अयोध्या की पवित्र सरयू नदी में क्रूज सेवा शुरू होगी और अयोध्या में अतंरराष्ट्रीय हवाई अडडा होगा।

नवीन पटनायक ने पुरी में 800 करोड़ रुपए की गलियारा परियोजना का उद्घाटन किया

पुरी/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बुधवार को पुरी में ऐतिहासिक श्री जगन्नाथ मंदिर के आसपास 800 करोड़ रुपए की गलियारा परियोजना का उद्घाटन किया। पुरी के गजपति महाराजा दिव्यसिंह देव और लगभग 90 मंदिरों के प्रतिनिधियों एवं हजारों भक्तों की उपस्थिति में पटनायक ने श्री मंदिर परिक्रमा प्रकल्प का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा,''यह परियोजना भगवान जगन्नाथ के आशीर्वाद से ही पूरी हो पाई। अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना में पार्किंग क्षेत्र, एक नया पुल, तीर्थयात्रियों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए एक सड़क, एक तीर्थस्थल केंद्र, प्रसाधन कक्ष की सुविधाएं, क्लॉकरूम, शौचालय और जगन्नाथ मंदिर के आसपास भक्तों के लिए अन्य सुविधाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि तीर्थ नगरी पुरी को फूलों, रंग बिरंगी रोशनी और भित्तिचित्रों से सजाया गया है।

अयोध्या धाम के लिए छह जिलों से शुरू होगी हेलीकॉप्टर सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। उप्र सरकार राम भक्तों और पर्यटकों को हेलीकॉप्टर से अयोध्या धाम के दर्शन कराएगी। सरकार प्रदेश के छह जिलों से हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने जा रही है।

प्रमुख सचिव (पर्यटन) मुकेश मेश्राम ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि हेलीकॉप्टर सेवा की शुरुआत इस महीने के अंत में लखनऊ से की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से प्रदेश के छह जिलों से शुरू होने वाली हेलीकॉप्टर सेवा के लिए सेवा प्रदाता ऑपरेटर का चयन कर लिया गया है। पर्यटन विभाग की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि राम भक्तों और पर्यटकों को हेलीकॉप्टर सेवा गोरखपुर, वाराणसी, लखनऊ, प्रयागराज, मथुरा और आगरा से मिलेगी। आने वाले समय में प्रदेश के अन्य जिलों से भी इस सुविधा को जल्द शुरू किया जाएगा।

प्रमुख सचिव पर्यटन मेश्राम ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम भक्तों को हेलीकॉप्टर सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे और इसी के तहत प्रदेश के छह जिलों से हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की जा रही है।

बयान में कहा गया कि सरकार श्रद्धालुओं को अयोध्या नगरी और राम मंदिर के हवाई दर्शन भी कराएगी और इसकी जिम्मेदारी पर्यटन विभाग को दी गई है। इस सुविधा के लिए श्रद्धालुओं को पहले से बुकिंग करानी होगी।

बयान के मुताबिक, रामभक्त सरयू तट स्थित पर्यटन गेस्ट हाउस के पास बने हैलीपेड से उड़ान भर सकेंगे। इसके तहत श्रद्धालुओं को राम मंदिर, हनुमानगढ़ी, सरयू घाट समेत प्रसिद्ध दर्शनीय स्थलों की हवाई सैर भी करायी जाएगी।

बयान में बताया गया कि इस हवाई सफर का अधिकतम समय 15 मिनट होगा जबकि प्रति श्रद्धालु किराया 3,539 रुपए तय किया गया है।

इस सुविधा के जरिये एक बार में पांच श्रद्धालु हवाई सफर का लुत्फ उठा सकेंगे। एक बार के सफर के दौरान हेलीकॉप्टर में भार सीमा 400 किलोग्राम तय की गई है। एक श्रद्धालु अधिकतम पांच किलोग्राम सामान के साथ सफर कर सकेगा।

बयान के अनुसार, श्रद्धालु गोरखपुर से अयोध्या धाम के लिए हेलीकॉप्टर से उड़ान भर सकेंगे। यह दूरी 126 किलोमीटर की होगी जिसे 40 मिनट में पूरा किया जाएगा। इसके लिए प्रति श्रद्धालु किराया 11,327 रुपए तय किया गया है।

प्रधानमंत्री ने नगा राजनीतिक मुद्दे का समाधान निकालने के लिए नौ साल तक कुछ नहीं किया: राहुल

कोहिमा/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला बोलते हुए उन पर 2015 में प्रारूप समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद नौ साल तक नगा राजनीतिक मुद्दे का समाधान निकालने के लिए कुछ नहीं करने का आरोप लगाया। नगालैंड के मोकोकचुंग शहर में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि नगा लोगों के विश्वास के बिना और उनके साथ चर्चा के बिना समस्या का समाधान नहीं निकाला जा सकता। उन्होंने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, अगर आपके पास समाधान नहीं है तो आपको झूठ नहीं बोलना चाहिए और नहीं कहना चाहिए कि आपके पास समाधान है।

ओडिशा में कानून-व्यवस्था ''ध्वस्त'' हो चुकी है : धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ओडिशा की बीजू जनता दल (बीजद) सरकार को ''अहंकारी'' बताते हुए आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था तंत्र ''पूरी तरह ध्वस्त'' हो गया है और पीड़ितों को न्याय नहीं मिल रहा है। प्रधान ने मंगलवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश मुख्यालय में एक बैठक के दौरान यह बात कही।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा, सत्तारूढ़ बीजद के नेता बहुत अहंकारी हैं और लोग उन्हें अगले चुनाव में सबक सिखाएंगे। हालांकि, प्रधान के आरोपों को बीजद नेता प्रणव प्रकाश दास ने खारिज कर दिया। दास ने उन पर राज्य और अपने गृह जिले अंगुल के लिए कुछ नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री के गृह जिले अंगुल से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों की खराब सड़कों का जिक्र किया। प्रधान ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ बीजद के नेता कालाहांडी जिले में एक शिक्षिका के शोषण और हत्या में शामिल हैं। इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी की जेल के अंदर हत्या कर दी गई। प्रधान ने कहा, शिक्षिका हत्याकांड के मुख्य आरोपी की जेल में मौत को लेकर सरकार के पास कोई जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था की स्थिति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बारगढ़ जिले के भटली इलाके में पुलिस थाने के अंदर ही पुलिसकर्मियों की पिटाई कर दी गई। प्रधान ने यह भी आरोप लगाया कि महिलाओं पर अत्याचार के मामले में ओडिशा शीर्ष पर है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गृह विभाग मुख्यमंत्री के पास है और तब हालात ऐसे हैं कि पुलिसकर्मियों को थाने में पीटा जा रहा है।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह से दूरी बनाने वाली कांग्रेस, अन्य का बहिष्कार कर सकते हैं लोग: अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से दूरी बनाने वाली कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के अन्य घटक दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि लोग इस फैसले के कारण उनका फिर से बहिष्कार कर सकते हैं।

ठाकुर ने अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले भाजपा के 'स्वच्छता सेवा' कार्यक्रम के तहत भाजपा की दिल्ली इकाई के प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा के साथ यहां वाल्मीकि मंदिर परिसर की साफ-सफाई की। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, उन्होंने नए संसद भवन और प्रधानमंत्री के संबोधन का बहिष्कार किया और लोगों ने उनका बहिष्कार कर दिया। अब, उन्हें लगता है कि वे प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बहिष्कार कर सकते हैं लेकिन हो सकता है कि लोग उनका फिर से बहिष्कार कर दें। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके गठबंधन सहयोगियों ने भगवान राम के अस्तित्व को नकारने और हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कोई मौका नहीं छोड़ा। विपक्ष के नेता बयान दे रहे हैं और प्राण प्रतिष्ठा समारोह से दूरी बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन्हें भगवान राम के सामने अंततः आत्मसमर्पण करना होगा।

असम ने 42 लाख नए लाभार्थियों के लिए राशन कार्ड वितरण शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत 42 लाख से अधिक नए लाभार्थियों को राशन कार्ड वितरण शुरू कर दिया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपने निर्वाचन क्षेत्र जालुकबाड़ी में इसकी शुरुआत की। शर्मा ने बोरीपाड़ा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए इसे वर्तमान सरकार के कार्यकाल में मील का पत्थर बताया। विज्ञप्ति में कहा कि राज्य भर में राशन कार्ड के औपचारिक वितरण के साथ एनएफएसए के तहत राज्य में कुल 42,85,745 नए लाभार्थियों को कवर किया जाएगा।

शर्मा ने कहा, अपने सभी निवासियों के लिए खाद्य सुरक्षा हासिल करने के मौजूदा सरकार के प्रभावी प्रयासों में यह एक और मील का पत्थर है। उन्होंने बताया कि राशन कार्डधारक परिवार का प्रत्येक सदस्य हर माह पांच किलोग्राम चावल मुफ्त पाने का हकदार है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा हर माह ''अन्न सेवा सप्ताह'' के दौरान उपलब्ध रहेगी और इस माह के लिए यह 31 जनवरी तक उपलब्ध है। शर्मा ने अंत्योदय अन्न योजना जैसी सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले प्रशासन द्वारा समाज के वंचित वर्गों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

हमारे द्वारा आयोजित होने वाली राष्ट्रीय चैंपियनशिप ही वास्तविक होगी: तदर्थ पैनल

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय चैम्पियनशिप आयोजित करने का अधिकार केवल राष्ट्रीय महासंघ के पास होने के निलंबित भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के दावे के एक दिन बाद भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा नियुक्त तदर्थ पैनल ने कहा कि उसके द्वारा कराए जाने वाले टूर्नामेंट को ही वास्तविक माना जाएगा।

तदर्थ पैनल ने यह भी स्पष्ट किया कि उसके द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता से ही पहलवानों को ही 'फायदा' मिलेगा। डब्ल्यूएफआई ने चुनाव के बाद अपनी पहली कार्यकारी समिति की बैठक के बाद मंगलवार को घोषणा की थी कि वह 29 जनवरी से पुणे में राष्ट्रीय प्रतियोगिता कराएगा। डब्ल्यूएफआई ने कहा था कि उसके संविधान के अनुसार केवल महासंघ के पास ही राष्ट्रीय प्रतियोगिता के आयोजन का अधिकार है और तदर्थ पैनल के पास राष्ट्रीय चैम्पियनशिप कराने का कोई अधिकार नहीं है। डब्ल्यूएफआई को नियमों के उल्लघंन का हवाला देकर प्रतिबंधित करने वाले खेल मंत्रालय ने कहा कि डब्ल्यूएफआई द्वारा आयोजित टूर्नामेंट को मान्यता नहीं दी जाएगी। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने मंगलवार को कहा था कि वे मंत्रालय से निलंबन हटाने के लिए बातचीत करेंगे।

'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' में अखिलेश के शामिल होने की संभावना नहीं

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' में उनके शामिल होने की संभावना नहीं है। यहां पार्टी कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में जब यादव से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, न तो कांग्रेस हमें अपने कार्यक्रमों में बुलाती है, न ही भाजपा। यादव ने यहां पार्टी कार्यालय से ''संविधान बचाओ, देश बचाओ समाजवादी पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) यात्रा'' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
DNR Highline @ Okalipuram
near LULU Mall Rajajinagar
3 & 4 BHK FLATS
with 7 Star Luxurious
Amenities.
Only Few Flats available for Sale.
for details
Contact Owner: 9844027560

तालिका में शीर्ष पर पहुंचने की कोशिश करूंगा : हीरो मोटोस्पोर्ट्स के राइडर रॉस ब्रांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

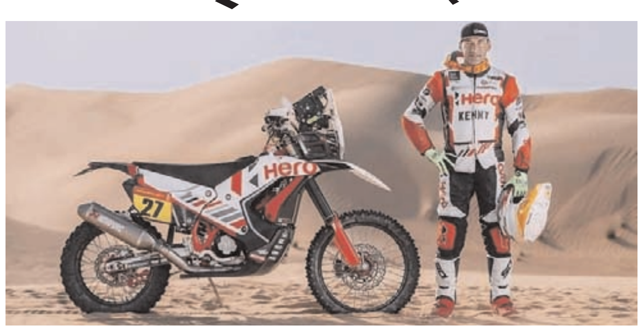

अल उला(सऊदी अरब)/भाषा। हीरो मोटोस्पोर्ट्स टीम रैली राइडर रॉस ब्रांच डकार रैली 2024 की मुख्य बाइक रेस 'रैली जीपी' वर्ग की तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंचने के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं।

मौजूदा सत्र में रैली के पहले चरण के विजेता ब्रांच नौ चरण के बाद ओवरऑल रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं। वह शीर्ष पर काबिज रिकी ब्राबेक (मोन्स्टर एनर्जी होंडा टीम) से सात मिनट से अधिक समय से पिछड़ रहे हैं। इस रेस में सिर्फ तीन चरण बचे हुए हैं और बोत्सवाना के इस राइडर को अगले चरणों में अच्छी वापसी की उम्मीद है। उन्होंने रैली के नौवें चरण के बाद 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मैंने इस चरण में रास्ता भटकने के कारण कुछ समय गंवा दिया। अगले चरण में मेरा लक्ष्य समय की इस दूरी को पाटने पर होगा। इस तरह की रैली में ऐसा होना आम है। मेरी कोशिश हालांकि शीर्ष स्थान पर वापसी करने की है। ब्रांच जब बाइक रेसिंग नहीं कर रहे होते है तब विमान उड़ाना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, यह अभी भी एक लंबी रैली है और डकार में कुछ भी हो सकता है, कभी-कभी आपको चीजें वापस पाने के लिए केवल एक किलोमीटर में अच्छे प्रदर्शन की जरूरत होती है। कल देखेंगे क्या होगा। हीरो मोटोस्पोर्ट्स के साथ डकार रैली में ब्रांच का यह पहला सत्र है और वह टीम के समर्थन से बहुत खुश हैं। 'फेरारी ऑफ द कालाहारी' नाम से मशहूर ब्रांच ने कहा, हीरो टीम में माहौल हमेशा अद्भुत होता है। यह दुनिया भर में एक परिवार की तरह है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप भारत से हैं, बोत्सवाना से हैं या जर्मनी से। माहौल हमेशा शानदार होता है। हर कोई बहुत सहयोगी है। मैं इस बेहतरीन टीम में होने पर बेहद खुश और बहुत गौरवान्वित हूं। प्राइवेट राइडर के रूप में डकार रैली में 2019 'रूकी ऑफ द ईयर (सर्वश्रेष्ठ नवोदित राइडर)' के विजेता, ब्रांच ने 2020 में पहली बार स्टेज जीत हासिल की थी। अगले दो साल (2021, 2022) वह रैली पूरी नहीं कर सके।

ओलंपिक में पदक के दावेदार के रूप में उतरना चाहता हूं : श्रीकांत

नई दिल्ली/भाषा। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने बुधवार को यहां कहा कि वह इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक में पदक के दावेदार के रूप में उतरना चाहते हैं और सिर्फ प्रतिनिधित्व के लिए खेलों के इस महाकुंभ में खेलने का उनका कोई इरादा नहीं है। श्रीकांत की विश्व रैंकिंग अभी 25 है और ओलंपिक में जगह बनाने के लिए उन्हें अप्रैल के अंत तक शीर्ष 16 खिलाड़ियों में जगह बनानी होगी। वह अभी पूर्व स्टार भारतीय खिलाड़ी पारुपल्ली कश्यप के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग कर रहे हैं जिनके साथ उन्होंने कई टूर्नामेंट खेले हैं। श्रीकांत ने इंडिया ओपन के पहले दौर में हांगकांग के ली च्युक यीयु के खिलाफ शिकस्त के बाद संवाददाताओं से कहा, मेरी नजरें लगातार अच्छे प्रदर्शन पर टिकी हैं। मैं ओलंपिक में पदक के दावेदार के रूप में जाना चाहता हूं, सिर्फ खेलने के इरादे से नहीं। मैं टूर्नामेंट जीतना चाहता हूं और अगर ऐसा करता हूं तो निश्चित तौर पर ओलंपिक में जगह बनाऊंगा। मुझे नहीं लगता कि सिर्फ कुछ मैच जीतकर ओलंपिक में जगह बनाने से कोई फर्क पड़ने वाला है इसलिए मैं टूर्नामेंट जीतना चाहता हूं। रियो ओलंपिक के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाले श्रीकांत ने कहा, मैं पहले भी ओलंपिक में खेल चुका हूं। पिछली बार मैं बेहद मामूली अंतर से चूक गया था। इस नजर से देखूं तो मुझे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। अगर मैं टूर्नामेंट जीतता हूं तो ओलंपिक में जगह बना लूंगा और अगर नहीं भी खेल पाता तो बहुत फर्क नहीं पड़ेगा।

▪ माघ शुक्ल - 8 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 174 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 18-01-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 ओडिशा में कानून-व्यवस्था ''ध्वस्त'' हो चुकी है : धर्मेंद्र प्रधान

6 सकारात्मक वातावरण सुखद भविष्य का संकेत

7 कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी विद्या बालन

CBC 22201/13/0172/2324

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

हमारा संकल्प विकसित भारत

मोदी सरकार की गारंटी

सबके लिए सस्ती हवाई यात्रा

उड़ान योजना के तहत 1 करोड़ 30 लाख लोगों ने सस्ती हवाई यात्रा का उठाया लाभ

फर्स्ट टेक

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले में सुनवाई टली

प्रयागराज/भाषा। मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बुधवार को सुनवाई टाल दी और इस मामले की पोषणीयता को लेकर मुस्लिम पक्ष की ओर से दाखिल आवेदन पर जवाब देने के लिए हिंदू पक्ष को समय दिया है। इस मामले में बुधवार को जब सुनवाई शुरू हुई, तो अधिवक्ता आयुक्त की नियुक्ति के संबंध में उच्च न्यायालय के 14 दिसंबर, 2023 के आदेश पर उच्चतम न्यायालय द्वारा रोक लगाने के आदेश की प्रति इस अदालत में पेश की गई। न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने कहा कि वाद की पोषणीयता के संबंध में एक आवेदन दाखिल किया जाना है।

आईएसआईएस से जुड़ा एक संदिग्ध आतंकवादी अलीगढ़ से गिरफ्तार

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के आतंकवाद रोधी दस्ता (एटीएस) ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन 'आईएसआईएस' से जुड़े एक संदिग्ध आतंकवादी को अलीगढ़ से गिरफ्तार किया। एटीएस के बुधवार को जारी बयान में कहा कि उसे फैजान बख्तियार की तलाश थी और उस पर 25 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया गया था। फैजान ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में एमएसडब्ल्यू (मास्टर ऑफ सोशल वर्क) के पाठ्यक्रम के लिए दाखिला लिया था। फैजान को बुधवार को अलीगढ़ से गिरफ्तार किया गया।

दक्षिण नाइजीरिया में भीषण विस्फोट में तीन लोगों की मौत, 77 घायल

अबुजा/एपी। नाइजीरिया के सबसे बड़े शहरों में से एक में मंगलवार रात हुए भीषण विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई और 77 अन्य घायल हो गए तथा 20 इमारतों को भी नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि बचावकर्मी मलबे में लोगों की तलाश कर रहे हैं जिनके फंसे होने की आशंका है। दक्षिण–पश्चिमी राज्य ओयो में घनी आबादी वाले शहर इबादान में रात लगभग 7:45 बजे भीषण विस्फोट की आवाज सुनाई दी जिससे दहशत फैल गई।

सूर्यास्त 18-01-2024	सूर्योदय 19-01-2024
6:13 बजे	6:46 बजे

BSE	NSE
71,500.76	21,571.95
(-1,628.02)	(-460.35)

सोना	चांदी
6,571 रु.	73,894 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

धर्म राजनीति

धर्म बड़ा या राजनीति,
इस पर जारी सबका मंथन।
करते धर्म विवेचन मंत्री,
राजनीति करते संतन।
विग्रह में प्राण प्रतिष्ठा का,
आयोजन बस जन मत वंदन।
घट–घट में राम बसे सबके,
कण–कण में है उनका स्पंदन।।

भाजपा तेज विकास के प्रमाणित ट्रैक रिकॉर्ड वाली एकमात्र भारतीय पार्टी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भारत में एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसके पास तेज विकास का प्रमाणित ट्रैक रिकॉर्ड और भविष्य के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण है।

प्रधानमंत्री यहां मरीन ड्राइव में दो से तीन बूथ स्तर के क्षेत्रों वाले 'शक्ति केंद्रों' के लगभग 6,000 प्रभारियों की एक पार्टी बैठक को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में उन्होंने नागरिकों के कल्याण के लिए अपनी सरकार द्वारा लागू की गई विविध पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक पिछले नौ साल में भारत में करीब 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है।

प्रधानमंत्री ने तर्क दिया, यह इंगित करता है कि हमने विकसित राष्ट्र के लिए जो दिशा ली है वह सही है। उन्होंने कहा, भाजपा भारत की एकमात्र पार्टी है जिसके पास तीव्र विकास का प्रमाणित ट्रैक रिकॉर्ड और भविष्य के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण है।

प्रधानमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से लोगों को यह बताने का भी आग्रह किया कि केरल में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) का ट्रैक रिकॉर्ड भ्रष्टाचार के इतिहास का पर्याय है। मोदी ने मंगलवार को राज्य में पहुंचने पर हुए स्वागत का भी जिक्र किया और कहा कि केरल के लोगों ने उन्हें जो प्यार और स्नेह दिखाया है, उससे वह अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि मंगलवार को कोच्चि पहुंचने पर और आज सुबह त्रिप्रयार श्री रामास्वामी मंदिर जाने के रास्ते पर लोगों ने उन्हें आशीर्वाद दिया।

कोच्चि में 4000 करोड़ की परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित

कोच्चि/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में प्रमुख रणनीतिक पहलों सहित 4,000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया और कहा कि इनसे देश के दक्षिणी क्षेत्र के विकास को गति देने में मदद मिलेगी। परियोजनाओं में 310 मीटर लंबा 'ड्राई डॉक' और अंतर्राष्ट्रीय जहाज मरम्मत सुविधा (आईएसआरएफ) शामिल हैं। ड्राई डॉक का निर्माण अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार किया गया है।

रामलला की प्रतिमा को मंदिर परिसर में भ्रमण कराया गया

अयोध्या/वार्ता। श्रीराम–जन्मभूमि पर भव्य और दिव्य बन रहे राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का सात दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान में बुधवार को रामलला की मूर्ति को मंदिर परिसर में देर शाम प्रवेश करा कर भ्रमण कराया गया। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का धार्मिक अनुष्ठान प्रारम्भ हो गया है। पहले दिन प्रायश्चित और कर्मकुटी पूजन के लिये वाराणसी के वैदिक विद्वान रामसेवकपुरम् स्थित विवेक सृष्टि में पहुंचे। यहां मुख्य यजमान के रूप में श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डा. अनिल मिश्रा या उनकी पत्नी ने विधि विधान से पूजन–अर्चन किया था। आज सरयू नदी से कलश भरकर महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली और श्रीरामजन्मभूमि मंदिर परिसर में विश्व हिन्दू परिषद राष्ट्रीय महासचिव राजेन्द्र सिंह पंकज और श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े गोपाल जी को समर्पित किया।

समुद्री डाकुओं से आक्रामकता के साथ निपट रही है नौसेना : एडमिरल हरि कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने बुधवार को कहा कि भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में आक्रामकता के साथ समुद्री डाकुओं से निपट रही है और उसने क्षेत्र में युद्धपोत की तैनाती बढ़ा दी है। 'सीओ2' आधारित वातानुकूलित संयंत्र का उद्घाटन करने के बाद आईएनएस शिवाजी पर पत्रकारों के साथ बातचीत में एडमिरल ने यह भी कहा कि जलदस्यु विरोधी कानून भी नौसेना के लिए मददगार रहा है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में दो अभियानों का संचालन कर रही है जिनमें से एक जलदस्यु विरोधी अभियान है। नौसेना प्रमुख ने कहा, जलदस्यु विरोधी अभियान 2008 से जारी है और इससे निपटने के लिए लगातार पोतों की तैनाती की जाती है। युद्धपोतों की तैनाती समुद्री डाकुओं को रोकती है। पिछले साल हमने सोचा की जलदस्युता करीब करीब खत्म हो चुकी है, लेकिन हल में एक भारतीय जहाज और भारतीय चालक दल का अपहरण कर लिया गया।

पाकिस्तान ने ईरान के हमलों पर ''गंभीर परिणामों'' की चेतावनी दी

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान ने बलूचिस्तान प्रांत में एक सुन्नी आतंकी संगठन से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए जाने पर ईरान को ''गंभीर परिणाम'' भुगतने की चेतावनी दी है। ईरान के इन हमलों में दो बच्चों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। ईरानी मीडिया ने बताया कि पाकिस्तान में आतंकवादी समूह जैश–अल–अदल के दो ठिकानों को मंगलवार को मिसाइलों से निशाना बनाया। यह कार्रवाई रिवोल्यूशनरी गार्ड्स द्वारा इराक और सीरिया में किए गए हमलों के एक दिन बाद की गई। पाकिस्तान ने ''अपने हवाई क्षेत्र के उल्लंघन'' की कड़ी निंदा करते हुए ईरान के प्रभारी राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब किया। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने बयान जारी कर कहा कि ईरान का यह कृत्य उसके ''हवाई क्षेत्र का अकारण उल्लंघन'' है। पश्चिम एशिया में हमास और इजराइल के युद्ध के कारण पहले से ही स्थिति तनावपूर्ण है, ऐसे में ईरान के इन हमलों ने चिंता और बढ़ा दी है। ईरानी समाचार एजेंसी तसनीम ने कहा, पाकिस्तान में जैश–अल–धुल्म (जैश–अल–अदल) आतंकवादी समूह के दो प्रमुख ठिकानों को विशेष रूप से लक्षित किया गया और सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया गया।

'सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च' का एफसीआरए पंजीकरण रद्द

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने नियमों के कथित उल्लंघन के लिए प्रमुख थिंक टैंक 'सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च' का विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) पंजीकरण रद्द कर दिया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा यह कदम एफसीआरए के तहत गैर–लाभकारी संस्था (एनजीओ) के पंजीकरण को निलंबित करने के लगभग एक साल बाद उठाया गया है। आयकर विभाग द्वारा की गई छापेमारी के बाद से थिंक–टैंक जांच के दायरे में है।

चीन की जनसांख्यिकी संबंधी चिंता बढ़ी, आबादी 20 लाख 80 हजार कम हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग/भाषा। चीन की जनसंख्या 2023 में 20 लाख 80 हजार घटकर 1.4097 अरब रह गई और भारत अपने पड़ोसी देश को पछाड़कर 2023 में दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया। चीन के बुधवार को जारी वार्षिक आधिकारिक आंकड़े में यह जानकारी दी गई।

चीन की आबादी लगातार दूसरे साल कम हुई है।

देश में सत्तारूढ़ 'कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना' ने जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए 'केवल एक संतान' की नीति का दशकों तक सख्ती से पालन किया जिसके कारण जन्म दर में काफी कमी आई और चीन की आबादी में छह दशक में पहली बार 2022 में गिरावट आई। विशेषज्ञों ने दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की आबादी में आगामी वर्षों में और कमी आने का अनुमान जताया है।

KALINGA INSTITUTE OF INDUSTRIAL TECHNOLOGY (KIIT)
Deemed to be University
(Established U/S 3 of UGC Act) 1956, Bhubaneswar, Odisha, India

KIITEE 2024 APPLY NOW
through KIIT Websites
www.kiitee.ac.in/www.kiit.ac.in

No Examination Fee
(Computer Based Online Test)

Ranking & Recognition
16th Among Indian Universities Ranked by NIRF, Govt. of India
A++ Grade Accredited by NAAC
Tier 1 Reaccredited by NBA All Engineering Programs for 6 Years
THE World University Rankings 2023: 301-400 COMPUTER SCIENCE | 401-500 ENGINEERING | 601-800 UNIVERSITY RANKING
ABET (US) Accreditation
IET The Institution of Engineering and Technology

B.Tech (4 Years) in following branches of Engineering :
Civil, Electrical, Mechanical, Electronics & Telecommunication, Electronics & Computer Science, Electronics and Electrical, Aerospace, Mechatronics, Mechanical (Automobile), Chemical, Computer Science, Information Technology, Computer Science and System, Computer Science and Communication

ACADEMIC PROGRAMMES AVAILABLE

Bachelor's Programmes
- B. Design (Automobile/Graphic/ Product) (4 Years)
- B.Tech & M.Tech- Biotechnology (5years)
- B. Arch. (5years)
- B. Tech. (Lateral Entry) (3years)
- BCA (3years)
- BBA (3years)
- Bachelor of Design (Fashion / Textile) (4years)
- Bachelor of Film & Television Production(3years)
- BA.LL.B / BBA LL.B / B.Sc. LL.B (5years)
- Bachelor of Communication & Journalism(3years)
- BA in Economics (Hons)(4years)
- BA in Sociology (Hons)(4years)
- BA in English (Hons)(4years)
- B.A. in Psychology (Hons)(4years)
- B.Com (Hons)(4years)
- B.Sc. Computer Science (4years)
- B.Sc. Nursing (4years)
- B. Pharma (4 years)
- D.Pharma (2 Years)

Master's Programmes
- M.Tech. (2years)
- LLM(2years)
- MCA (2years)
- M.Sc Biotechnology (2years)
- M.Sc. Applied Microbiology(2years)
- M. Arch(2years)
- Int. M.Tech & Ph.D(5years)
- Master of Communication & Journalism(2years)
- Master in Sports & Yogic Sciences (2years)
- Master of Hospital Administration (2years)
- Master of Public Health (2years)
- M. Design (2 Years)
- M.Sc. Computer Science(2years)
- MA in Economics (2years)
- MA in Sociology(2years)
- MA in English(2years)
- MA in Psychology(2years)
- MA in Public Policy(2years)
- M.Com (2years)
- M.Sc. in Physics. / Chemistry. / Mathematics & Data Science (2years)
- M.Sc. Nursing (2years)
- Ph.D

CAMPUS PLACEMENT 2023 HIGHLIGHTS
750 + companies
6200+ Job Offers
₹63LPA Highest Salary Offered
2000+ paid internship opportunities

Director, Admissions : Admission Cell, Koel Campus, Po- KIIT, Bhubaneswar-751024, Odisha, India, Ph: 8080 735 735, Fax : 0674 - 2741465, Email: admission@kiit.ac.in, Website: www.kiitee.ac.in

KIIT (Deemed to be University) has only one permanent campus in Bhubaneswar, Odisha. It has no other campus / off campus anywhere else in the country and globe.

साइबर सुरक्षा के लिए सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे : बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार राज्य में साइबर सुरक्षा की दृष्टि से सकारात्मक कदम उठाएगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य को अपराध मुक्त किया जायेगा। बेढम 'राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर' में 'राजस्थान पुलिस साइबर अपराध जागरूकता मिशन' के तहत आयोजित 'राजस्थान पुलिस हैकथॉन 1.0' के उदघाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। गृह राज्य मंत्री ने कहा कि वर्तमान परिवेश में सोशल मीडिया के उपयोग से अनेक सुविधायें तो बढ़ी हैं, लेकिन इससे संबंधित अपराधों में भी वृद्धि हुई है। विशेष रुप से मेवात क्षेत्र में बढ़े अपराधों पर रोक लगाने के लिये सार्थक प्रयास की आवश्यकता है।

उन्होंने सभी जिलों में साइबर विशेषज्ञ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में टीम गठित करने का सुझाव दिया। आधिकारिक बयान के अनुसार इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने कहा कि राजस्थान पुलिस हैकथॉन शुरू कर साइबर सुरक्षा की दृष्टि से अभिनव शुरुआत की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस दो दिवसीय हैकाथॉन में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, उद्योगों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और स्टार्टअप्स के 1665 प्रतिभागियों द्वारा पंजीयन कराया गया है। इनमें लगभग 300 टीम भाग लेंगी। ये टीम 12 साइबर सुरक्षा से संबंधित समस्याओं का समाधान निकालने के लिए 36 घंटे तक निरंतर काम करेंगी।

हैकाथॉन के विजेताओं को विभिन्न श्रेणियां में कुल 20 लाख रुपये के नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान करने के साथ ही कई इच्छुक टीम को राजस्थान पुलिस के इंटर्नशिप प्रोग्राम में शामिल किया जाएगा।

साहू ने कहा कि राजस्थान पुलिस प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति को बेहतर बनाने, महिलाओं सहित कमजोर वर्गों को त्वरित न्याय दिलाने एवं आमजन के जानमाल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। डीजीपी (साइबर सुरक्षा) डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने कहा कि साइबर अपराध पुलिस के समक्ष निरन्तर चुनौती प्रस्तुत कर रहे हैं। पुलिस साइबर अपराध की रोकथाम के लिए तत्परता से कार्य कर रही है लेकिन साइबर अपराधों की प्रभावी रोकथाम के लिए जनजागरूकता आवश्यक है। 'भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) राजेश कुमार ने बताया कि यह संस्थान देश में साइबर अपराध से समन्वित और व्यापक तरीके से निपटने के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय की एक पहल है।

बिजली की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए केन्द्र सरकार हरसंभव सहयोग करेगा : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के बिजलीघरों में कोयले की पर्याप्त एवं निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान बुधवार को केन्द्रीय कोयला मंत्री प्रल्हाद जोशी से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश के ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर भी मौजूद रहे।

मुलाकात के दौरान केन्द्रीय कोयला मंत्री ने प्रदेश की बिजली की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए केन्द्र सरकार के स्तर पर अतिरिक्त कोयला आवंटन के लिए हरसंभव सहयोग करने के लिए आश्वस्त किया। केंद्रीय मंत्री ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री से बात करके परसा कोल ब्लॉक से खनन करने में आ रही दिक्कतों का शीघ्र समाधान निकालने के लिए भी आश्वस्त किया।

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय कोयला मंत्री का ध्यान राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम (आरवीयूएन) के बिजलीघरों में कोयले की आवश्यकता की ओर आकृष्ट किया। उन्होंने कहा कि रबी सीजन के कारण राज्य में बिजली की बढ़ी हुई मांग को देखते हुए उत्पादन निगम को प्रतिदिन 23 कोल रैक की आवश्यकता है जबकि वर्तमान में कोल इंडिया लिमिटेड से औसतन 16.5 रैक प्रतिदिन की ही आपूर्ति हो पा रही है। इससे विद्युत उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

शर्मा ने केन्द्रीय कोयला मंत्री से परसा ईस्ट एवं कांता बेसिन (पी.ई.के.बी.) तथा परसा कोल ब्लॉक से खनन अविलंब प्रारंभ करने तथा यह खनन प्रारंभ होने तक कोल इंडिया लिमिटेड एवं इसकी सहायक कंपनियों के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले कोयले की मांग के अनुरूप आपूर्ति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री एवं प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ने राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम को खाली रैक्स की अतिरिक्त व्यवस्था तथा रैक डायवर्जन कराने के लिए केन्द्रीय कोयला मंत्रालय के माध्यम से रेल मंत्रालय के स्तर पर समन्वय करने का भी आग्रह किया। बैठक में केंद्रीय कोयला मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव श्रीमती विस्मिता तेज, ऊर्जा विभाग के प्रमुख शासन सचिव आलोक गुप्ता तथा ऊर्जा विकास निगम के एमडी एम. एम. रिणवा भी मौजूद रहे।

वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संजय शर्मा ने पदभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वन विभाग एवं पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सचिवालय परिसर में स्थित मंत्रालय भवन में अपना पदभार संभाला। शर्मा ने विभागीय काम के बारे में जायजा लिया और उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि संबंधित अधिकारी व कर्मचारी गण आपसी समन्वय से सभी कार्यों का निष्पादन कुशलतापूर्वक करें जिससे विभागीय योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे वंचित और पात्र वर्ग को मिलना सुनिश्चित हो। इस अवसर पर कार्यकर्ता व संबंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने पदभार किया ग्रहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी (जनजाति क्षेत्रीय विकास,गृह रक्षा विभाग़) ने बुधवार को सचिवालय स्थित मंत्रालय भवन के कमरा संख्या 6206 में विधिवत मंत्रोच्चार के बीच पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ व फूलों की माला के साथ उनका स्वागत कर उनसे शिष्टाचार भेंट की। खराड़ी ने विभागीय काम के बारे में जायजा लिया और उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि संबंधित अधिकारी व कर्मचारी गण आपसी समन्वय से सभी कार्यों का निष्पादन कुशलतापूर्वक करें जिससे विभागीय योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे वंचित और पात्र वर्ग को मिलना सुनिश्चित हो। इस अवसर पर विभाग के संबंधित अधिकारी एवं खराड़ी जी के परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

एएसआई 30 हजार रु की रिश्वत लेते गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी)ने तिजारा जिले के किशनगढ़बास थाना के एएसआई दारा सिंह और उसके दलाल को बुधवार को 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित ने बताया कि थाने में गत सात जनवरी को भैंस चोरी का एक प्रकरण दर्ज हुआ था, जिसमें एएसआई दारा सिंह साहबदीन को आरोपी बनाने का प्रयास कर रहा था। दारासिंह द्वारा भैंस चोरी के मामले में आरोपी का नाम प्रकरण से निकलने की एवज में 30 हजार रुपये की मांग की गयी थी, जिसको लेकर पीड़ित पक्ष ने इसकी शिकायत 15 जनवरी को ब्यूरो में की थी।

ब्यूरो टीम ने शिकायत का सत्यापन करवाकर आज ट्रैप की कार्रवाई की गयी। प्रकरण में एएसआई दारा सिंह की जैकिट की जेब से 25 हजार रुपये की राशि और दलाल लल्लू खान की जेब से पांच हजार रुपए की राशि बरामद की गयी। ब्यूरो ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा के मोर्चों के पदाधिकारियों की बैठक

जयपुर। लोकसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सभी सात मोर्चों के पदाधिकारियों की बैठक हुई जिसमें सभी पदाधिकारियों को समाज और वर्गों को साधने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी के बयान के अनुसार, बैठक के दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने लोकसभा चुनाव में राज्य में 'मिशन-25' को लक्ष्य बनाकर काम करने पर बल दिया।

अब उदयपुर एयरपोर्ट पर कोहरा नहीं रोकेगा विमानों की लैंडिंग इस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम करेगा मदद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने उदयपुर के महाराणा प्रताप एयरपोर्ट को रन-वे न्यू कैटेगिरी 1 का इस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम से लैस कर दिया है। जिसके चलते अब खराब मौसम में विमानों को दूसरे एयरपोर्ट पर डायवर्ट करने की जरूरत नहीं होगी। कोहरे या धुंध में भी विमानों की लैंडिंग उदयपुर एयरपोर्ट पर हो पाएगी। पिछले कुछ सालों से उदयपुर में देश-विदेश के पर्यटकों की संख्या बढ़ने के साथ ही हवाई सेवा से आने वाले पर्यटकों की संख्या में बड़ी-खासी बढ़ोतरी हुई है। खराब मौसम के चलते उदयपुर के एयरपोर्ट पर उतरने वाली फ्लाइट को अभी तक नजदीकी अहमदाबा, सूरत या जयपुर एयरपोर्ट के लिए डायवर्ट करना पड़ता। वहीं, कोहरे तथा धुंध की स्थिति में नियमित फ्लाइट अपने समय से घंटों देरी से आ-जा पाती थीं। अब एयरपोर्ट अथोरिटी आफ इंडिया ने उदयपुर के महाराणा प्रताप एयरपोर्ट को रन-वे न्यू कैटेगिरी 1 का इस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम से लैस कर दिया है। इसका फायदा यह होगा कि अब 800से भी कम विजिबिलिटी में भी विमान उदयपुर एयरपोर्ट पर उतर पाएंगे। डबोक स्थित उदयपुर के एयरपोर्ट डायरेक्टर योगेश नगाइच का कहना है कि एयरपोर्ट पर अत्याधुनिक आईएलएस सिस्टम आठ जनवरी को लगा दिया गया है। जिसकी जानकारी एयरपोर्ट एथोरिटी ऑफ इंडिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी साझा की है। जिसमें बताया कि अब धुंध में भी हवाई यात्रा बाधित नहीं होगी। उन्होंने बताया कि नए सिस्टम का परीक्षण भी कर लिया गया है।

बताया गया कि उदयपुर के महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पर जो खास तकनीक लगाई गई है, उसमें 800 मीटर से कम और 550 मीटर से ज्यादा विजिबिलिटी पर फ्लाइट की लैंडिंग आसानी से कराई जा सकेगी। इस सिस्टम में मुख्य उपकरणों के साथ एंटीना टावर भी लगाया है। इससे एयर ट्रेफिक क्षेत्र में पहुंचे विमानों को इलेक्ट्रोनिक प्लेट संपर्क प्रणाली की मदद से लैंडिंग के समय बेहतर दिशा-निर्देश दिए जा सकेंगे। धीरे-धीरे कम होती दृश्यता के समय भी विमान सुरक्षित लैंडिंग कर पाएंगे। फ्लाइट के लैंड होने के साथ टेकऑफ प्रक्रिया में भी आसानी होगी। बताया गया कि रन-वे न्यू कैटेगिरी 1 का इस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम सटीक रनवे देखने में सहायता करता है। इसके अलावा इसमें पायलट को सीधा रनवे देखने के लिए दो रेडियो गीम का उपयोग मिल पाता है। लॉकलाइजर मार्गदर्शन करके ब्लाइंड लैंडिंग में भी सहायता मिली है।

अयोध्या में रामलला के प्रतिष्ठा के शुभ दिन पर अल्बर्ट हॉल पर बनेगा मिनी राम मंदिर प्रतिरूप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 22 जनवरी को अयोध्या में आयोजित होने वाले रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ दिन ही जयपुर के अल्बर्ट हॉल पर मिनी राम मंदिर प्रतिरूप बनेगा। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बुधवार को प्रथम निमंत्रण मोती डूंगरी गणेष जी को भेंट किया गया। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बताया कि अयोध्या में रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ दिन ही जयपुर के अल्बर्ट हॉल पर मिनी राम मंदिर प्रतिरूप बनेगा। महापौर ने बताया कि ड्रोन शो के माध्यम से राम मन्दिर व रामकृति दिखाई जायेगी।

महापौर समेत सैकड़ों लोगों ने मोती डूंगरी स्थित गणेष जी भेंट कर ढोक लगाकर आमंत्रित किया। महापौर एवं अन्य लोगों ने गणेष मंदिर के बाहर इस अवसर पर जय गणेष जय राम के उद्घोष के साथ धार्मिक आस्था का रंग भी नजर आया। महापौर ने विधिवत पूजा अर्चना के साथ गणेष को प्रथम पूज्य मानते हुए निमंत्रण पत्र सौंपा गया।

इस अवसर पर धर्म फाउंडेषन ट्रस्ट के ट्रस्टी, संस्थापक सुधीर जैन, अध्यक्ष गब्बर कटारा, महासचिव एमएल सोनी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी राम निवास मथुरिया, संस्थापक ट्रस्टी सुभाष गोयल, जयपुर व्यापार महासंघ अध्यक्ष सचिन गुप्ता, जयंती मार्केट अध्यक्ष राजेन्द्र लवण, राजेन्द्र खंडेलवाल, अनीष चौधरी, सीए संजय पाबुवाल एवं बड़ी संख्या आमजन उपस्थित रहे।

ख्वाजा चिश्ती का अमन का पैगाम जन-जन तक पहुंचे : राज्यपाल

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र की ओर से ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती के 812वें सालाना उर्स के अवसर पर दरगाह शरीफ अजमेर में बुधवार को चादर पेश की गई। आधिकारिक बयान के अनुसार राज्यपाल के प्रमुख विशेषाधिकारी गोविंदराम जायसवाल ने मजार शरीफ पर पहुंच कर राज्यपाल की तरफ से चादर भेंट की। उनके साथ परिसहाय स्क्राड्रन लीडर विकास श्योराण भी थे। दरगाह पहुंचने पर पहले राज्यपाल की ओर से जियारत की गई। बाद में राज्यपाल मिश्र के संदेश को पढ़ा गया। इस संदेश में मिश्र ने कहा है कि ख्वाजा साहब देश की गंगा जमुनी संस्कृति के संवाहक हैं। मिश्र ने अपने संदेश में ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती के अमन और मोहब्बत के पैगाम को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

वर्चुअल हियरिंग को जल्द अमल में लाकर कार्य प्रणाली का हिस्सा बनाया जाए : मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नव निर्वाचित कैबिनेट मंत्री हेमंत मीणा ने बुधवार को सचिवालय परिसर के समिति कक्ष में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक ली।

इस बैठक में उन्होंने विभाग में स्वीकृत, कार्यरत तथा रिक्त पदों, राजस्व विभाग की दिसंबर 2023 तक की प्रगति रिपोर्ट तथा विभाग द्वारा राजकीय भूमि आवंटन व आरक्षण आदि की जानकारी ली। मीणा ने राजस्व विभाग की ऑनलाइन सेवाओं जैसे अपना खाता पोर्टल, भू नक्शा पोर्टल और ई- धरती पोर्टल की भी जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि राजस्व मंडल एवं अधीनस्थ राजस्व न्यायलयों में प्रस्तावित नवीन कार्यों जैसे ई- फाइलिंग, ई-समन और वर्चुअल हियरिंग आदि को जल्द अमल में लाकर इन्हे कार्यशैली का हिस्सा बनाया जाए जिससे आमजन को विभागीय सुविधाओं का लाभ सरलता और शीघ्रता से मिल सके। इस बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अपर्णा अरोड़ा सहित विभाग के अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विपक्ष की भूमिका जोरदार तरीके से निभाएंगे : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी राजस्थान में विपक्ष की भूमिका जोरदार तरीके से निभाएगी। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के नेताओं परे लोगों को गुमराह कर चुनाव जीतने का भी आरोप लगाया। गहलोत ने यहां मीडिया से कहा, चूंकि अब हमें विपक्ष की भूमिका मिली है तो हम इसे जोरदार तरीके से निभांएगे। यही मैं कह सकता हूं। आम जनता से कहना चाहूंगा कि किसी भी तरह की तकलीफ हो तो हमें बताएं। हम उनको राहत दिलाने में कोई असर नहीं छोड़ेंगे। उल्लेखनीय है कि नवगठित 16वीं विधानसभा की बैठक 19 जनवरी से शुरू हो रही है। विधानसभा में कांग्रेस के 115 व भाजपा के 70 विधायक हैं।

राज्य की नवगठित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर कटाक्ष करते हुए गहलोत ने कहा,राज्य की नई सरकार के गठन के अभी दो महीने भी नहीं हुए हैं... लेकिन अभी से ही सरकार के बारे में जिस तरह की चर्चा होने लगी है वह अच्छी नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा,दुष्कर्म, महिलाओं पर अत्याचार, हत्या की घटनाएं डेढ़ महीने में कितनी हुई हैं, आप गिनती कर लीजिए... ये (भाजपा वाले) राजस्थान में किस मुंह से हमें बदनाम कर रहे थे?

उन्होंने कहा कि राजस्थान अन्य राज्यों के मुकाबले बहुत बेहतर था, लेकिन इसके बावजूद विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी जी, गृहमंत्री अमित शाह जी, पांच- पांच मुख्यमंत्रियों व भाजपा के अन्य नेताओं ने झूठ बोल बोलकर लोगों को गुमराह कर दिया, जिसे राज्य की जनता भूली नहीं है। उन्होंने कहा कि अब राज्य के लोगों को ज्यादा गुस्सा आ रहा है कि ये झूठ बोलकर और गुमराह करके चुनाव जीत गए।

पूर्व मंत्री टीकाराम जूली को कांग्रेस विधायक दल का नेता बनाए जाने का स्वागत करते हुए गहलोत ने कहा,जूली को नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने का मैं स्वागत करता हूं। उनका अपना अनुभव है, दलित वर्ग से आते हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि हम सब के सहयोग से वे नेता प्रतिपक्ष की भूमिका बहुत ही शानदार ढंग से निभाएंगे। गहलोत ने भाजपा पर राम मंदिर के कार्यक्रम को लेकर राजनीति करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा,राम मंदिर को लेकर भी ये लोग माहौल बना रहे हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम राम के सब भक्त हैं पर जिस प्रकार की राजनीति हो रही है, वह ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अगुवाई वाली 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' शानदार तरीके से जारी है।

राजस्थान के कई इलाकों में कोहरा छाया रहा

जयपुर। राजस्थान में ठंड और कोहरे का दौर जारी है। बीते चौबीस घंटे में अलवर में न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र (जयपुर) के अनुसार इस दौरान श्रीगंगानगर में न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री, पिलानी में 5.6 डिग्री, संगरिया में 5.8 डिग्री, सिरोही में 6.2 डिग्री सेल्सियस रहा। राजधानी जयपुर में यह 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। केंद्र के अनुसार बीते चौबीस घंटे में राजस्थान में मौसम शुष्क रहा। राज्य में कहीं कहीं घना कोहरा छाया रहा।

राष्ट्रीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता के लिए पीएमश्रीकेवी एमईजी और केंद्र की लड़कियां दिल्ली रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय स्तर की स्कूल बैंड प्रतियोगिता 21 से 22 जनवरी को दिल्ली में आयोजित होने वाली है। पीएम श्री केवी एमईजी एंड सेंटर, बेंगलूरु की 27 लड़कियां वहां अपना शानदार प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।

टीम अपने शिक्षकों की देखरेख में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए जाएगी। इसके लिए 4 महीनों का कठोर और नियमित अभ्यास किया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य लोकेश बिहारी शर्मा, शिक्षकों और आर्मी एमईजी सेंटर ने बच्चियों को प्रोत्साहित किया।

गणतंत्र दिवस समारोह के लिए अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता का आयोजन शिक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा मंत्रालय के सहयोग से किया जा रहा है। साल 2017 में प्रतियोगिता शुरू होने के बाद से हर साल सैकड़ों स्कूलों ने इसमें भाग लिया है। प्रतियोगिता तीन स्तरों पर आयोजित की जाती है।

मोदी कल बेंगलूरु में बोइंग के अत्याधुनिक वैश्विक तकनीकी परिसर का उद्घाटन करेंगे

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 जनवरी को अमेरिकी विमान विनिर्माता बोइंग के नए अत्याधुनिक वैश्विक इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी नवाचार परिसर का उद्घाटन करेंगे।

आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि यह परिसर केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास बेंगलूरु के बाहरी इलाके देवनहल्ली में स्थित है। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री भारतीय विमानन क्षेत्र में महिलाओं की अधिक भागीदारी के लिए एक रूपांतरकारी बोइंग कार्यक्रम भी शुरू करेंगे।

एचएसबीसी इंडिया ने देश में अपनी सबसे बड़ी शाखा खोली

बेंगलूरु/नई दिल्ली। एचएसबीसी इंडिया ने भारत में अपनी सबसे बड़ी शाखा खोलने की घोषणा की है। एचएसबीसी इंडिया ने एक बयान में कहा कि बेंगलूरु के व्हाइटफील्ड में स्थित यह शाखा 8,300 वर्ग फुट में फैली है। बैंक का इरादा क्षेत्र के समृद्ध लोगों को अपने साथ जोड़ने का है।

यह एचएसबीसी इंडिया के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि वह देश में अग्रणी अंतरराष्ट्रीय बैंक के रूप में अपनी उपस्थिति को और मजबूत कर रहा है।

'ऐसे लेकर जाएंगे भगवान को?'

मूर्तियां हटाने के 'तरीके' से लोग आक्रोशित, किया विरोध-प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। एक ओर जहां अयोध्या में श्रीराम मंदिर के उद्घाटन समारोह को लेकर देश-विदेश में लोग हर्षित हैं, जगह-जगह भजन-कीर्तन हो रहे हैं, वहीं बेंगलूरु में एचएमटी रोड स्थित 'प्लेटिनम सिटी' में भगवान की मूर्तियां 'अपमानजनक ढंग' से हटाने का मामला सामने आया है।

यहां के निवासियों ने बताया कि वे महीनेभर से सोसाइटी प्रांगण के एक हिस्से में भगवान गणपति, शिवजी, पार्वती, हनुमानजी की मूर्तियां और राम-दरबार का चित्र लगाकर पूजन कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि बुधवार शाम को बिल्डर अपनी कार से आया और मूर्तियों, राम-दरबार और पूजन सामग्री को 'अपमानजनक ढंग' से गाड़ी में डाल दिया। इसके बाद लोगों ने भारी विरोध-प्रदर्शन किया तो सभी मूर्तियां सोसाइटी निवासियों को दे दीं। इस घटना से लोग आक्रोशित हो गए और सोसाइटी प्रांगण में इकट्ठे हो गए। मौके पर पुलिस को भी बुला लिया, जिसने मामले को शांत करवाया।

स्थानीय निवासी योगेश जिंदल ने बताया कि सोसाइटी के लोगों की इच्छा थी कि वे मंदिर बनाएं। इसके लिए 80 प्रतिशत लोगों ने लिखित में सहमति भी दी थी। इसके बाद वे सोसाइटी के ही एक हिस्से में, जहां से लोगों की आवाजाही में कोई दिक्कत नहीं थी, मूर्तियां विराजित कर भजन-पूजन करने लगे थे।

यहां महिलाओं और बुजुर्गों के लिए भी बैठने की व्यवस्था की गई थी। यह स्थान हर समुदाय के लोगों के लिए खुला था। उन्होंने बताया कि शाम करीब 5 बजे बिल्डर और उसके लोग आए तथा भगवान की मूर्तियां आदि कार की डिक्की में 'अपमानजनक ढंग' से डालकर ले जाने लगे। इससे लोग आक्रोशित हो गए। उन्होंने इस पर आपत्ति जताई। लोगों का कहना है कि बिल्डर को पहले बात करनी चाहिए थी। वे इसके लिए बैठक करने को तैयार हैं। यही नहीं, अगर दूसरी जगह हो तो वहां मंदिर निर्माण हो सकता है, लेकिन मूर्तियों को इस तरह उठाकर डिक्की में डालना उचित नहीं है।

एक और स्थानीय निवासी गोपाल अग्रवाल ने बताया कि सोसाइटी में मंदिर की स्थापना के लिए इंचार्ज से कहा था। उन्होंने बताया कि लोगों का प्रस्ताव था कि बिल्डर स्वयं यहां आकर बैठक करे, जिससे सोसाइटी से जुड़े अन्य मसलों पर भी बातचीत की जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि बिल्डर ने कई बार विभिन्न मुद्दों की अनदेखी की, लेकिन जैसे ही मूर्तियों के बारे में पता चला, तुरंत आ गए और किसी को बिना बताए ले जाने लगे। उन्होंने कहा कि बिल्डर का यह तरीका गलत था। अगर उन्हें मूर्तियां हटानी ही थीं तो पहले लोगों से बात करनी चाहिए थी। बैठक में जो भी निर्णय होता, उसके अनुसार हम खुद मूर्तियों को अन्य स्थान पर स्थापित करते, लेकिन वे जिस तरह लेकर गए, डिक्की में डाला, वह सम्मानजनक तरीका नहीं है। अग्रवाल ने बताया कि लोगों के विरोध-प्रदर्शन के बाद बिल्डर ने मूर्तियां लौटा दीं और उन्हें पुन: उसी स्थान पर विराजमान किया गया है।

घटना के वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में देखा गया कि जब कार की डिक्की खोली जाती है तो गणेशजी की मूर्ति पीठ के बल रखी मिलती है। इस पर लोग आपत्ति जताते हैं। वे कहते हैं- 'आप ऐसे लेकर जाएंगे भगवान को?' उसके बाद लोग मूर्तियों को डिक्की से बाहर निकालते हैं। उपस्थित लोगों ने 'जय श्रीराम' और 'गणपति बप्पा ...' के नारे भी लगाए। घटना की आस-पास के इलाकों में काफी चर्चा है। बता दें कि इस घटना में कोई भी मूर्ति खंडित नहीं हुई है।

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के खिलाफ अपमानजनक वीडियो बनाने के आरोप में युवक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दक्षिण कन्नड़। कर्नाटक पुलिस ने बुधवार को कहा कि उसने मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ अपमानजनक वीडियो बनाने और सोशल मीडिया पर फुटेज पोस्ट करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान सुरथकल शहर निवासी अनिल कुमार के रूप में की गई है। मूल रूप से उत्तर कन्नड़ जिले का अनिल कैब ड्राइवर के रूप में काम करते है। आरोपी को विभिन्न सरकारी लाभ योजनाओं का लाभ उठाने के लिए राशन कार्ड में लाभार्थी के रूप में अपना नाम जोड़ने में दिक्कत आ रही थी। इससे नाराज होकर कुमार ने कन्नड़ और टुलु भाषा में सिद्दरामैया और शिवकुमार को गाली देते हुए वीडियो बनाए। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के अध्यक्ष सुहास अल्वा ने इस संबंध में मेंगलुरु पुलिस आयुक्त के पास शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। सूरतकल पुलिस ने इस संबंध में आईपीसी की धारा 153ए, 505 (1) (सी) और 504 के तहत मामला दर्ज किया है।

उद्घाटन

बेलगावी में बुधवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने संगोल्ली बायलाहोंगला तालुक बेलगावी में संगोल्ली रायन्ना उत्सव का उद्घाटन करते हुए।

आदेश का पालन न करने पर उच्च न्यायालय ने कर्नाटक सरकार पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने तीन साल से अधिक समय तक अदालत के आदेश का पालन करने में विफल रहने को लेकर राज्य सरकार पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। मुख्य न्यायाधीश प्रसन्ना बी. वराले और न्यायमूर्ति कृष्ण एस. दीक्षित की खंडपीठ, अदालत की अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

याचिका में आरोप लगाया गया कि राज्य उच्च न्यायालय के साढ़े तीन साल पुराने आदेश का पालन करने में विफल रहा, जिसमें सरकार को सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों के बीच वेतन समानता लागू करने का निर्देश दिया गया था। निष्क्रियता पर गंभीर आपत्ति जताते हुए उच्च न्यायालय ने प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग के छह अधिकारियों पर जुर्माना लगाया और निर्देश दिया कि इसे दो सप्ताह के भीतर वसूल किया जाना चाहिए।

अदालत ने सरकारी वकील की उस दलील को खारिज कर दिया, जिसमें अदालत के पहले के आदेश को लागू करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा गया था। उच्च न्यायालय ने हैरानी जताते हुए पूछा कि क्या राज्य सरकार ने 'मजाक' समझ समझ रखा है, उसने साढ़े तीन साल तक आदेश पर कार्रवाई क्यों नहीं की? उच्च न्यायालय ने कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार इस बात से अनभिज्ञ है कि आम लोग अदालतों के बारे में क्या राय रखते हैं।अदालत ने कहा कि लोग अनावश्यक रूप से अदालतों का रुख नहीं करते और वे तभी अदालत आते हैं जब उनके पास कोई विकल्प नहीं बचता है।

बेंगलूरु आ रहे स्पाइसजेट का एक यात्री विमान के शौचालय में फंसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। स्पाइसजेट का एक यात्री मंगलवार को दरवाजे का 'लॉक' खराब होने के कारण विमान के शौचालय में करीब एक घंटे तक फंसा रहा। घटना के समय विमान हवा में था। स्पाइसजेट के प्रवक्ता के अनुसार, यह घटना मंगलवार को मुंबई से बेंगलुरु जा रही उड़ान में हुई और एयरलाइन यात्री को टिकट के पूरे पैसे वापस कर रही है।

इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) घटना की जांच कर रहा है। एयरलाइन ने यात्री को हुई असुविधा के लिए माफी भी मांगी है।

विमान के बेंगलूरु हवाई अड्डे पर उतरने के तुरंत बाद एक इंजीनियर ने शौचालय का दरवाजा खोला और तब जाकर यात्री बाहर आ पाया। यात्री के बारे में तत्काल विवरण नहीं मिल सका है। प्रवक्ता ने बुधवार को एक बयान में कहा, सोलह जनवरी को, मुंबई से बेंगलूरु जा रही स्पाइसजेट की उड़ान में दरवाजे के लॉक' में खराबी के कारण एक यात्री दुर्भाग्य से लगभग एक घंटे तक शौचालय के अंदर फंसा रहा। घटना के समय विमान हवा में था।

उन्होंने कहा, ''पूरी यात्रा में, हमारे चालक दल के सदस्यों ने यात्री को मदद और निर्देशन उपलब्ध कराया। विमान के उतरने पर एक इंजीनियर ने शौचालय का दरवाजा खोला और यात्री को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई।'' प्रवक्ता ने यह भी कहा कि यात्री को टिकट का पूरा पैसा वापस किया जा रहा है।

इस बीच, यात्रियों की ओर से दिसंबर में रद्द की गईं उड़ानों के टिकट का पैसा वापस न मिलने की शिकायतें भी आ रही हैं। शिकायतों के बारे में पूछे जाने पर स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कहा कि दिसंबर 2023 या इससे पहले रद्द की गईं उड़ानों के लिए राशि वापसी एयरलाइन द्वारा संसाधित की गई है।

प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, यह ध्यान रखना जरूरी है कि राशि वापसी की प्रक्रिया बुकिंग के स्रोत को निर्देशित की जाती है। ट्रैवल एजेंट या पोर्टल के माध्यम से बुकिंग करने वाले यात्रियों के लिए राशि वापसी संबंधित ट्रैवल एजेंट को संसाधित की जाती है। कई यात्रियों ने स्पाइसजेट से पैसा वापस मिलने में देरी के बारे में सोशल मीडिया पर शिकायत की है।

डिजाइनर शिवि पाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर हाल में एक पोस्ट में कहा कि उन्हें अभी तक वाराणसी से बुक की गई स्पाइसजेट की उस उड़ान के टिकट का पैसा वापस नहीं मिला है, जिसे 27 दिसंबर, 2023 को रद्द कर दिया गया था।

उन्होंने 11 जनवरी को पोस्ट में कहा था, स्पाइसजेट के साथ आप सभी को नए साल की खराब शुरुआत की शुभकामनाएं। सत्ताईस दिसंबर से लगभग 14 दिन हो गए हैं जब वाराणसी हवाई अड्डे से स्पाइसजेट की मेरी उड़ान रात में रद्द कर दी गई थी और कर्मियों द्वारा ब्यौरा लिये जाने के बावजूद अब तक पैसा वापस नहीं मिला है।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद भी मंदिर निर्माण कर सकते हैं : श्री श्री रविशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अयोध्या में होने वाले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर ज्योतिष्मठ शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती द्वारा आपत्ति जताये जाने के बीच आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर ने बुधवार को कहा कि ऐसे कई उदाहरण है जिनमें मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंदिर का निर्माण पूरा हुआ।

रविशंकर ने कहा कि शंकराचार्य एक अलग मत का अनुसरण करते हैं, लेकिन कई अन्य प्रावधान भी हैं जो प्राण प्रतिष्ठा के बाद भी मंदिर निर्माण की अनुमति देते हैं। उन्होंने कहा, कई ऐसे प्रावधान है जिनके तहत आप प्राण प्रतिष्ठा के बाद भी मंदिर का निर्माण जारी रख सकते हैं। तमिलनाडु के रामेश्वरम में भगवान राम ने स्वयं एक शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा' की थी। उस समय वहां कोई मंदिर नहीं था। उनके पास मंदिर बनाने का समय नहीं था। उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा की और बाद में मंदिर का निर्माण कराया गया।

उन्होंने आगे कहा कि यहां तक कि मदुरै मंदिर और तिरूपति बालाजी मंदिर भी शुरुआत में छोटे थे, जिन्हें बाद में राजाओं ने बनवाया। अयोध्या में मंदिर की आवश्यकता को उचित ठहराते हुए आध्यात्मिक गुरु ने कहा कि (इससे) उस गलती को सुधारा जा रहा जो पांच सौ वर्ष पहले हुई थी।

'आर्ट ऑफ लिविंग' के संस्थापक ने कहा, यह एक सपने का साकार होना है। लोग पांच सदियों से इसकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह (कदम) 500 साल पहले हुई गलती को सुधारने के लिए है । इसलिए पूरे देश में उत्सव और उत्साह का माहौल है। उन्होंने कहा कि एक आदर्श समाज को हमेशा 'राम राज' के रूप में वर्णित किया जाता है, जहां हर कोई समान है, सभी के लिए न्याय (सुलभ) है, हर कोई खुश और समृद्ध है।

महाराष्ट्र सरकार के अधिकारियों को कर्नाटक में प्रवेश नहीं करना चाहिए : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र सरकार के अधिकारियों को राज्य में प्रवेश नहीं करने के लिए कहा गया है। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी इन खबरों के बीच आई है कि महाराष्ट्र सरकार के अधिकारियों ने अपने राज्य की सीमा से लगे 865 मराठी बहुल गांवों में स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने का फैसला किया है।मुख्यमंत्री ने बेलगावी जिले

की बैलाहोंगला तालुक में सैनिक स्कूल के उद्घाटन के लिए रवाना होने से पहले यहां संवाददाताओं से कहा, ''हमारे मुख्य सचिव ने (अपने महाराष्ट्र समकक्ष से) बात की है और उनसे (सरकारी अधिकारियों से) कर्नाटक में प्रवेश नहीं करने को कहा है।''

यह कदम कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच बेलगावी पर सीमा विवाद के बीच उठाया गया है जो समय-समय पर भड़कता रहता है। यह विवाद 1957 से है जब भाषायी आधार पर राज्यों को पुनर्गठित किया गया था।

महाराष्ट्र बेलगावी पर अपना दावा करता है, जो पूर्ववर्ती बंबई प्रेसीडेंसी' का हिस्सा था, क्योंकि यहां बड़ी संख्या में मराठी भाषी आबादी है। इसने 800 से अधिक मराठी भाषी गांवों पर भी दावा किया है जो वर्तमान में कर्नाटक का हिस्सा हैं। कर्नाटक का कहना है कि राज्य पुनर्गठन अधिनियम और महाजन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार भाषायी आधार पर किया गया सीमांकन अंतिम है।

कर्नाटक सरकार ने डब्ल्यूईएफ में सात कंपनियों के साथ 22,000 करोड़ रुपये के एमओयू किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की दावोस में चल रही वार्षिक बैठक के दौरान सात कंपनियों के साथ 22,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को लेकर समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

कर्नाटक के बड़े और मझोले उद्योग तथा अवसंरचना विकास मंत्री एम बी पाटिल की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मंगलवार को इन एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं।

इसमें एक निवेश समझौता 20,000 करोड़ रुपये का है। वेब वर्क्स ने राज्य में 20,000 करोड़ रुपये का डेटा सेंटर पार्क स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है। वहीं चार अन्य कंपनियों ने कुल 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बनाई है। पाटिल की अगुवाई में राज्य के एक प्रतिनिधिमंडल ने डब्ल्यूईएफ-2024 के दौरान विभिन्न उद्योग नेताओं के साथ कई बैठकों में हिस्सा लिया।

बयान में कहा गया है कि लुलु समूह विजयपुरा जिले में खाद्य प्रसंस्करण उद्यम लगाने को तैयार है। उसकी इसमें निर्यात के लिए एक संयंत्र में 300 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना है। इसी तरह टेकेडा फार्मास्युटिकल्स बेंगलूरु में एक वैश्विक नवोन्मेषण केंद्र स्थापित करने का इरादा रखती है। इसके लिए वह जगह की तलाश में है।

यात्रा वृद्धि से भारत में आतिथ्य नौकरियों में हो रही बढ़ोतरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत में यात्रा में वृद्धि की वजह से दिसंबर 2022 और 2023 के बीच पर्यटन और आतिथ्य नौकरियों के लिए नियुक्तियों में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह खुलासा बुधवार को जारी की गई रिपोर्ट में हुआ है। ग्लोबल हायरिंग और मैचिंग प्लेटफॉर्म इनडीड की रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि पर्यटन और आतिथ्य उद्योग में ब्लू-कॉलर हायरिंग में कुल मिलाकर 8 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

यह वृद्धि न केवल महामारी के बाद उल्लेखनीय सुधार का संकेत देती है, बल्कि उभरते वैश्विक रुझानों के सामने नौकरी बाजार की अनुकूलनशीलता और लचीलेपन को रेखांकित करते हुए उद्योग के लिए एक आशाजनक भविष्य को भी दर्शाती है। विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसी) के आर्थिक प्रभाव अनुसंधान ने भविष्यवाणी की है कि भारत विश्व स्तर पर यात्रा और पर्यटन उद्योग में तीसरा सबसे प्रभावशाली बाजार बन जाएगा।

इनडीड के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2022 की तुलना में अक्टूबर 2023 में पर्यटन उद्योग में नियुक्तियां 61 प्रतिशत की वृद्धि के साथ चरम पर रहीं। इसे कई कारणों से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है जैसे कि

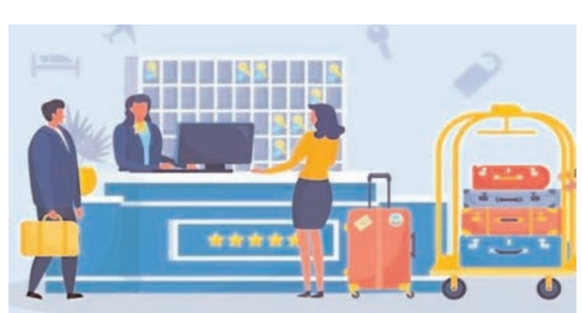

मौसम में बदलाव, हिल स्टेशन की यात्रा, त्योहारी सीजन और अन्य कारणों से अक्टूबर पर्यटन के लिए एक लोकप्रिय समय है।

नियुक्ति में वृद्धि का नेतृत्व करने वाले शीर्ष शहरों में दिल्ली-एनसीआर (23 प्रतिशत), मुंबई (5.19 प्रतिशत) और बेंगलूरु (6.78 प्रतिशत) शामिल हैं। कुल मिलाकर, ये शहर अपने विशिष्ट कमर्शियल, तकनीकी और सांस्कृतिक लाभों का लाभ उठाकर विभिन्न प्रकार के पर्यटन-संबंधित उद्योगों में आगे हैं। पुणे (2.33 प्रतिशत) और कोच्चि (2.41 प्रतिशत) सहित अन्य शहरों ने भी वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इनडीड में सेल्स प्रमुख शशि कुमार ने कहा, जैसा कि हम राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के करीब पहुंच रहे हैं, हमें अनुकूल रोजगार दृष्टिकोण को पहचानना चाहिए और बढ़ती भर्ती संभावनाओं के कारण अन्वेषण, अंतर-सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आर्थिक उन्नति की जीवंत भावना का सम्मान करना चाहिए। जैसे-जैसे हम राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के करीब आ रहे हैं, हमें अनुकूल रोजगार दृष्टिकोण को पहचानना चाहिए और बढ़ती भर्ती संभावनाओं के कारण एक्सप्लोरेशन, अंतर-सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आर्थिक उन्नति की जीवंत भावना का सम्मान करना चाहिए।

उन्होंने कहा, शहरों में यह वृद्धि उनकी अनुकूलन क्षमता और पर्यटन क्षेत्र द्वारा कार्यबल के लिए लाए गए आर्थिक विकास को दर्शाती है। आतिथ्य और पर्यटन उद्योग ने भी 2023 में यात्रियों की प्राथमिकताओं में बदलाव देखा है, जिसमें स्थिरता और स्वच्छता जैसे कारक सबसे आगे आ रहे हैं। यात्री अब अपने यात्रा कार्यक्रम के बारे में अधिक विशिष्ट हैं। प्रकृति को गले लगाकर और स्थानीय अनुभवों का आनंद लेकर अपनी यात्रा के दौरान ऊर्जा की खपत को कम करने का लक्ष्य रखते हैं।

ऑटोमेशन ने कुछ क्षेत्रों में भी प्रवेश किया है, जहां कई लोग वर्चुअल वास्तविकता पर्यटन में शामिल हो रहे हैं और चैटबॉट के माध्यम से टिकट बुक कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पर्यटन क्षेत्र इन नए पैटर्न के अनुसार आकार ले रहा है और रोजगार सृजन भी हो रहा है।

सुविचार

तुम्हें कोई पढ़ा नहीं सकता, कोई आध्यात्मिक नहीं बना सकता। तुमको सब कुछ खुद अंदर से सीखना है। आत्मा से अच्छा कोई शिक्षक नहीं है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ईरान: सब्र जवाब दे गया

पाकिस्तान की आतंकवादी हरकतों से त्रस्त होकर ईरान का भी सब्र जवाब दे गया। उसने बलोचिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर हवाई हमले कर पाक को साफ संदेश दे दिया कि अब मामला बर्दाश्त से बाहर जा चुका है। ईरान की इस कार्रवाई के कई मायने निकाले जा सकते हैं। एक तो यह कि अब ईरान सैन्य दृष्टि से काफी सशक्त हो गया है। उसने ड्रोन और मिसाइल तकनीक में इतनी महारत हासिल कर ली है कि अब वह 'पड़ोस' में मौजूद ठिकानों को ध्वस्त कर सकता है। वहीं, पाकिस्तान की हालत 'खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे' वाली हो रही है। उसके परमाणु शक्ति संपन्न होने के दावे की हवा निकल चुकी है। ईरान ने हवाई हमलों से आतंकवादियों के ठिकाने नष्ट कर दिए और पाकिस्तान का परमाणु बम धरा का धरा रह गया! हो सकता है कि अब रावलपिंडी इसका गुस्सा बेकसूर बलोच आबादी पर निकाले। पाकिस्तानी फौज ने अपने मुल्क के हर कोने में आतंकवादियों के अड्डे बना रखे हैं। ये आतंकवादी प्रशिक्षण पाने के बाद ईरान, अफगानिस्तान और भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश करते हैं। यही नहीं, पाक मूल के कई आतंकवादी तो यूरोप और अमेरिका की जेलों में बंद हैं। ईरान ने जैश-अल-अदल नामक जिस आतंकवादी समूह के खिलाफ कार्रवाई की है, वह काफी समय से ईरानी सुरक्षा बलों पर हमले की घटनाओं में लिप्त रहा है। बेहतर होता कि ईरान पहले ही सचेत हो जाता और समय-समय पर ऐसे हवाई हमलों के जरिए आतंकवादियों के ठिकानों पर प्रहार करता रहता। अब तक तो वह पाकिस्तान से 'वार्ता' ही करता रहा है। भारत भी साल 2016 और 2019 में पाकिस्तान में क्रमश: सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक कर चुका है। ये सैन्य कार्रवाइयां जिस बड़े और घातक पैमाने पर की गईं, उनसे रावलपिंडी के होश फाख्ता हो गए थे। भारत के लड़ाकू विमान केमीके में बालाकोट तक चले गए थे और पाकिस्तान की एजेंसियां घोड़े बेचकर सोती रहीं! पाकिस्तान के रडार पता भी नहीं लगा सके।

कुछ ऐसा ही ईरानी सुरक्षा बलों द्वारा किए गए हवाई हमलों के दौरान हुआ। न तो पाकिस्तानी रडार समय पर चेतावनी दे सके और न ही थल सेना, वायुसेना या रेंजर्स को इसकी भनक लगी। सोशल मीडिया पर जरूर कुछ लोगों ने इस बात का जिक्र किया, जिसके बाद पाकिस्तानी सरकार और फौज की नींद टूटी। जब अधिकारी उस जगह पहुंचे, तो उन्हें मलबा और आतंकवादियों की लाशें मिलीं। हालांकि इस बार भी पाकिस्तान ने वही पाखंड किया, जो उसने बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद किया था। वह दावा कर रहा है कि ईरानी हमले से दो बच्चों की मौत हो गई और तीन लड़कियां घायल हो गईं। वास्तव में पाक अब सहानुभूति लेने की कोशिश कर रहा है। वह दुनिया को दिखाना चाहता है कि उस पर बड़ा जुल्म हुआ है। वह अमेरिका से बेहतर सैन्य उपकरण और रडार लेने की कोशिश भी करेगा, चूंकि ईरान और अमेरिका के बीच छत्तीस का आंकड़ा है। उक्त कार्रवाई के बाद पाकिस्तान की ओर से जो बयान दिए जा रहे हैं, वे हास्यास्पद हैं। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय कहता है कि ईरान का यह कृत्य उसके 'हवाई क्षेत्र का अकारण उल्लंघन' है। क्या पाकिस्तान के पाले हुए आतंकवादियों द्वारा अन्य देशों में किए गए हमले किसी भी तरह का उल्लंघन नहीं हैं? पाक सरकार और फौज का तो इतिहास ही समझौतों व संधियों के उल्लंघन का रहा है। फिर, यह आशा कैसे कर सकते हैं कि दूसरे देश नियमों का अक्षरश: पालन करेंगे? पाकिस्तान ने ईरान को 'गंभीर परिणाम' भुगतने की चेतावनी दे डाली! सवाल है- अब पाक ऐसा कौनसा कदम उठाएगा, जिसके 'गंभीर परिणाम' होंगे? उसकी अर्थव्यवस्था इस स्थिति में नहीं है कि वह ईरान पर कठोर प्रतिबंध लगा दे। चूंकि ईरान पर पहले ही अमेरिका ने कई तरह के प्रतिबंध लगा रखे हैं। उसने प्रतिबंधों के साथ गुजारा करना सीख लिया है। पाक इस स्थिति में भी नहीं है कि वह ईरान से लंबा युद्ध लड़ सके। इसके लिए उसे भारी मात्रा में ईंधन, सैन्य साजो-सामान की जरूरत होगी। दूसरी ओर, खजाना खाली पड़ा है। महंगाई आसमान छू रही है। अगर कोई बड़ा युद्ध हुआ तो पाकिस्तान का दिवालिया होना तय है। इसके मद्देनजर पाक की कोशिश होगी कि वह ईरान से बड़ी सैन्य भिड़ंत टाले, लेकिन आतंकवादी घटनाएं करवाता रहे। ईरान को इस समय बहुत सावधान रहने की जरूरत है। वह सरहदी इलाकों में गश्त व निगरानी बढ़ाए और अपने यहां पनप रहे आतंकवादी संगठनों को भी नकेल डाले।

ट्वीटर टॉक

नई दिल्ली प्रवास के दौरान माननीय केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री श्री आर.के. सिंह जी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर माननीय मंत्री जी के साथ राजस्थान प्रदेश के विद्युत क्षेत्र में आधुनिकीकरण और नई टेक्नोलॉजी के उपयोग सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई।

-भजनलाल शर्मा

आज श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 357वें प्रकाश पर्व पर श्री साहेब (तलवार) का सिटी पैलेस स्थित सर्वतोभद्र में पूजा-अर्चना करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का त्याग, बलिदान और शौर्य की गाथा हम सबको सदैव प्रेरित करती रहेंगी।

-दीया कुमारी

प्रधानमंत्री के देश से गुलामी के सभी प्रतीकों को समाप्त करने के संकल्प की दिशा में बने तीन नये कानूनों में आधुनिकता, भारतीयता व त्वरित न्याय का समागम है। भारत की न्याय प्रणाली इन कानूनों के लागू होने के बाद विश्व की सबसे आधुनिक न्याय प्रणाली बनेगी।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

दानवीरता

भगवान रामचंद्र जिस समय सीता और लक्ष्मण के साथ घर से वनवास को जाने लगे तो उन्होंने जरूरतमंद लोगों को बहुत सारा अन्न-धन अपने हाथों से दान किया था। उन दिनों अयोध्या में एक बूढ़ा गरीब ब्राह्मण अपने परिवार के साथ रहता था। जिस समय दशरथ नंदन दान की वस्तुएं बांट रहे थे, उस समय वह ब्राह्मण जंगल में लकड़ियां काटने के लिए गया हुआ था। घर लौटने पर जब उसे राम के दान करने की सूचना मिली तो वह दौड़ा-दौड़ा उसी स्थान पर पहुंचा, जहां दान दिया जा रहा था। उसने विनयपूर्वक झुक कर रामचंद्र से दान की याचना की। राम ने ब्राह्मण की ओर देखा और हंसकर बोले, 'विप्र देवता, आपने आने में बड़ी देर कर दी। मैं तो थोड़ी देर पहले सब नकदी दान कर चुका, परंतु अभी भी थोड़ी गाएं शेष हैं और वे सरयू पार चर रही हैं। आप तत्क्षण नदी पार जाकर अपना डंडा जोर लगाकर फेंकिए, जहां तक आपका डंडा जाएगा वहां तक की परिधि की सारी गाएं आपकी।' बूढ़ा शीघ्रता से चलता हुआ नदी लांघकर गायों के पास पहुंचा। उसने अपनी पूरी ताकत से अपना डंडा गायों को लक्ष्य करके फेंका और वह बड़ी संख्या में गाएं हांक कर ले गया।

सामयिक

सकारात्मक वातावरण सुखद भविष्य का संकेत

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

इसमें दो मत नहीं कि देश में अद्भुत राममय वातावरण बना है। बाजारों में श्रीराम से जुड़ी चीजों की खरीदारी की नई प्रवृत्ति देखी जा रही है। बाजार में रामजी के नाम से बने सिक्के, आभूषण वस्त्र आदि की मांग काफी बढ़ी है और इस कारण व्यापारिक गतिविधियां भी। आपको चलते-फिरते किसी ने किसी मोहल्ले में श्री राम जय राम की धुन से लेकर अन्य संकेत मिल जायेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार की कोशिशों से 22 जनवरी के लिए लाखों की संख्या में मंदिरों ने कार्यक्रम की तैयारी की है। कांग्रेस या कम्युनिस्ट पार्टियों के वक्तव्य और व्यवहार से निस्संदेह, थोड़ा नकारात्मक वातावरण बना लेकिन यह साफ दिख रहा है कि आम लोगों ने इसे स्वीकार नहीं किया तथा पूरा वातावरण सकारात्मक है। स्वयं कांग्रेस पार्टी के अंदर भी सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा निमंत्रण अस्वीकार करने का संपूर्ण समर्थन नहीं है। इससे पता चलता है कि लगभग तीन दशक बाद पूरे देश का वातावरण अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कैसा बना है। हालांकि 22 जनवरी के निमंत्रण को लेकर उन लोगों के अंदर थोड़ी निराशा और खीझ है जिन्होंने प्रतिबद्धता के साथ श्रीराम मंदिर के विषय को विपरीत परिस्थितियों में भी मुद्दे के रूप में बनाए रखने के लिए अपने निजी हितों की लगातार बलि चढ़ाई। ऐसे अवसर पर उनकी दुखद अनदेखी तथा ऐसे लोगों को, जिन्होंने या तो विरोध किया या सेक्युलरवाद विरोधी छवि न बने इस कारण खामोश रहे या बीच का रास्ता अपनाया या फिर जिन्होंने इन विषयों का संकुचित स्वार्थ के लिए उपयोग किया उन सबको निमंत्रण द्वारा प्रतिष्ठा देना ऐसे लोगों को कचोट रहा है। किंतु सबके मन में भाव यही है कि ध्वस्त किए गए मानविन्दुओं के 500 वर्षों बाद आध्यात्मिक अत:शक्ति को फिर से पुनर्प्रतिष्ठित करने का समय आया है तो ऐसे में विवाद खड़ा करके सकारात्मक वातावरण को कमजोर न किया जाए।

निश्चित मानिए ऐसे माहौल का संपूर्ण राष्ट्र के वर्तमान एवं भविष्य की दृष्टि से व्यापक प्रभाव होगा। तात्कालिक रूप से हम भले यह गणना करें कि आगामी लोकसभा चुनाव में इसका लाभ किसे मिलेगा या इसेसे किनको क्षति होगी, पर श्रीराम के बाल विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा तथा मंदिर के संपूर्ण निर्माण का प्रभाव केवल चुनाव तक सीमित नहीं हो सकता। यह तो साफ है कि जिस पार्टी ने अयोध्या के विवादित स्थल पर श्रीराम मंदिर के पुनर्निर्माण को अपना लक्ष्य घोषित किया, उसके लिए आंदोलन अभियान चलाए उसे मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा तक का श्रेय मिलेगा। जो पार्टियां आज राजनीतिक लाभ के लिए राम का उपयोग करने का आरोप लगातीं हैं उन्हें अपने गिरेबान में झांकने की आवश्यकता है। आखिर इन पार्टियों का ही नहीं, हमारे देश की मीडिया और बुद्धिजीवियों के बड़े समूह का श्रीराम मंदिर आंदोलन के प्रति रवैया क्या रहा? भाजपा ने जब से विवादित स्थल पर श्रीराम मंदिर निर्माण को अपने एजेंडे में शामिल किया तथा राष्ट्रीय

स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से विश्व हिंदू परिषद ने इसे आगे बढ़ाया तभी से पूरे परिवार के लिए कम्युनल फोर्सेस यानी सांप्रदायिक शक्तियां शब्द प्रयोग होने लगे। पहले विश्व हिंदू परिषद की एकात्मता यात्रा को जगह-जगह रोकने और बाधित करने की कोशिश हुई और बाद में लालकृष्ण आडवाणी की सोमनाथ से अयोध्या तक की रथ यात्रा को। रथ यात्रा के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय तक मामले ले जाए गए। यह अलग बात है कि आडवाणी इतना सधा हुआ भाषण देते थे कि न्यायालय को इसमें कुछ भी आपत्तिजनक, सांप्रदायिक या किसी कम्युनिटी को भड़काने जैसा नहीं मिला। ज्यादातर समाचार पत्रों-पत्रिकाओं ने इसके विरुद्ध ही तेवर अपनाया तथा कई ने तो अपनी पत्र-पत्रिका को ही राम मंदिर आंदोलन विरोधी अभियान का हिस्सा बना दिया। उस समय टेलीविजन या इंटरनेट का दौर नहीं था इस कारण आपको तब की सामग्रियों के लिए थोड़ी शोध करनी पड़ेगी। ऐसा माहौल बनाया गया मानो संघ और भाजपा देश में हिंदुओं और मुसलमान के बीच संघर्ष कराकर गृह युद्ध की स्थिति पैदा करना चाहती है। चाहे न्यायालय में मुकदमे लड़ने वाले हों या फिर अन्य तरीकों से श्रीराम मंदिर के पक्ष में काम करने वाले , सबका उपहास उड़ाया गया। लेकिन धीरे-धीरे जनता का व्यापक समर्थन मिला और मामला सघन हुआ तो न्यायालय तक में बड़े-बड़े वकील इसके विरोध में खड़े होने लगे।

राजधानी दिल्ली की पत्रकारिता और बौद्धिक क्षेत्र का वातावरण इतना डरावना था कि कोई सामान्य पत्रकार, लेखक, बुद्धिजीवी, अयोध्या आंदोलन या श्रीराम मंदिर के पक्ष में बोलने का साहस तक नहीं कर सकता था। ऐसा करने का अर्थ था उसके कैरियर का नष्ट हो जाना। कुछ को इसका खामियाजा भुगतना भी पड़ा। 6 दिसंबर, 1992 के बाबरी विध्वंस के बाद राम मंदिर समर्थकों के विरुद्ध आतंककारी वातावरण बन गया था। संघर्ष से जुड़े संगठन प्रतिबंधित थे, भाजपा और विहिप सहित मंदिर आंदोलन के अनेक नेता जेल में थे और उसके साथ ऐसा अभियान चल रहा था ताकि किसी तरह पूरे संगठन परिवार को नष्ट कर दिया जाए। राजधानी दिल्ली में हर दिन कहीं न कहीं गोष्ठियां होती थी जिनमें एक ही तर्क होता था कि योजनाबद्ध तरीके से षड्यंत्र कर ढांचे को ध्वस्त किया गया है। इसे विश्व भर में हिटलर और मुसोलिनी के समानांतर फासिस्टवाद की डरावनी घटना साबित की गई। समाचार पत्र और पत्रिकाओं के पन्ने रंग दिए गए जिनका स्वर ही होता था कि भारत में फासिस्ट मजहबी शक्तियां किस सीमा तक हिंसक हो चुकी है। आज कहा जा रहा है कि राम सबके हैं और मंदिर से किसी का विरोध नहीं है किंतु भाजपा और तत्कालीन बाल ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को छोड़ दीजिए तो किसी भी पार्टी का एक शब्द आपको श्रीराम मंदिर के समर्थन में नहीं मिलेगा। बाबरी विध्वंस के बाद भाजपा की तीन सरकारें बर्खास्त कर दीं गईं और माहौल ऐसा बना जिसमें माना गया कि भाजपा की सत्ता में वापसी नहीं होगी। वैसे विपरीत माहौल में भाजपा के शीर्ष नेताओं में से कुछ के बयानों में काफी नरमी और क्षमायाचना की मुद्रा थी किंतु कुल मिलाकर पार्टी ने अपने एजेंडा से अयोध्या को हटाया नहीं। भाजपा और संघ परिवार के नेता रायबरेली न्यायालय में बाबरी ध्वंस का मुकदमा झेलते रहे तो दूसरी और श्रीराम मंदिर बनाम बाबरी मस्जिद सिविल वाद में भी संगठन परिवार वादी न होते हुए भी पूरी ताकत लगा दी। बड़े-बड़े वकील इसी कारण खड़े हुए तब जाकर जिला सिविल न्यायालय से लेकर उच्च और उच्चतम न्यायालय तक मामला गंभीरता से लड़ा जा सका।

यह भी स्वीकार करने में आपत्ति नहीं होनी चाहिए कि केन्द्र में भाजपा की नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार नहीं होती तथा उत्तर प्रदेश में गैर भाजपा सरकार होती तब भी मंदिर का निर्माण नहीं हो पता। न्यायालय का फैसला पड़ा रहता। केंद्र में सरकार होते हुए भी प्रदेश सरकार का पूरा सहयोग और समर्थन नहीं होता तब भी इसका निर्माण असंभव था।

उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार है, योगी आदित्यनाथ की मंदिर निर्माण के प्रति अटूट आस्था है तथा उनके उपमुख्यमंत्रियों में भी केशव प्रसाद मौर्य विश्व हिंदू परिषद से निकले हैं। इसलिए संकल्प के साथ समय सीमा तय करके मंदिर निर्माण पूरा किया जा रहा है। दिसंबर 2023 या जनवरी 2024 तक गर्भगृह का संपूर्ण निर्माण कर उसमें मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का लक्ष्य तय हुआ और यह साकार हो रहा है। इसमें अगर भाजपा को इसका लाभ मिल रहा है तो इसमें आश्चर्य का कोई विषय नहीं है। दूसरे दलों ने पहले भी इसी तरह का रवैया अपनाया और आज उनके सामने इस ऐतिहासिक कालखंड में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने का अवसर था जिससे वे चूक रहे हैं। किंतु इससे विचलित होने की बजाय प्राण प्रतिष्ठा के साथ पूरे देश का सकारात्मक माहौल हमारे लिए आत्मसंतोष और प्रेरणा का कारण बनना चाहिए।

विशेष

जगतगुरु रामभद्राचार्य अमृत महोत्सव

रामभद्राचार्य श्रीराम के अद्भुत शिल्पकार एवं व्याख्याकार

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

देश में कितने ही पवित्र संत, गुरु, ऋषियों ने अपने दैवीय शक्ति, आनंद, प्राचीन ग्रंथों के ज्ञान और आध्यात्मिक ज्ञान के साथ दुनिया को अलौकिक एवं चमत्कृत किया है, परम सत्ता से साक्षात्कार के लिये अग्रसर किया है। इनमें श्रद्धेय पद्म विभूषण जगतगुरु रामभद्राचार्य महाराज भी हैं, जिन्होंने श्रीरामचरित मानस एवं श्रीमद्भागवतजी का ऐसा प्रचार प्रसार किया और एक ऐसी आध्यात्मिक लहर चलायी है जिसने हर इंसान का जीवन ही बदल दिया है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मन्दिर की प्राण-प्रतिष्ठा से पूर्व उनका अमृत महोत्सव भव्य रूप में आयोजित हो रहा है। टेंट से निकाल कर प्रभु को मन्दिर में प्रतिष्ठापित करने का श्रेय जिन महाशक्तियों को दिया जाता है, उनमें वे अग्रणी है और उनकी भूमिका अस्मिरणीय हैं।

दो वर्ष की आयु से ही नेत्रहीन जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्यजी का नाम हिंदू समाज में बड़े ही आदर सम्मान के साथ लिया जाता है। रामभद्राचार्यजी रामानंद संप्रदाय के चार प्रमुख जगद्गुरुओं में से एक हैं। हिंदू धर्म में साधु-संतों का खास महत्व रहा है। वे एक सच्चे, अद्वितीय और तपस्वी संत हैं, जिन्होंने अपने प्रवचनों और ज्ञान के भंडार से भक्तों को सही मार्ग बताकर उनके जीवन का उद्धार किया है। उन्होंने अपने गहन प्रेम और भक्ति के सहारे न केवल अपने प्रभु श्रीराम एवं बिहारीजी से स्वयं साक्षात्कार किया बल्कि अपने भक्तों को भी उनसे मिलवाया। एक अद्भुत छवि, एक अद्भुत जीवन, एक अद्भुत संत, एक विलक्षण कथावाचक के रूप में उनका जीवन तनावों की भीड़ में शांति का सन्देश है, समस्याओं एवं परेशानियों के बीच मुस्कुराहट का पैगाम है, चंचल चित्त के लिये एकाग्रता एवं प्रभु श्रीराम एवं श्रीकृष्ण-भक्ति की प्रेरणा है। वे दुनियाभर के कई लोगों के लिए एक आध्यात्मिक नेता और गुरु हैं। विश्व के अनेक राष्ट्रों सहित भारत में उनकी 1275 से अधिक श्रीराम चरितमानस एवं 1115 श्रीमद्भागवत पर कथाएं सम्पन्न हुई हैं। भारतीय वांगमय के लगभग डेढ़ लाख पृष्ठों का लेखन आपने किया है। उनके मस्तिष्क में डेढ़ लाख से अधिक श्लोक रचनाएं रची-बसी हैं। वे एक घंटे में सौ से अधिक श्लोक एवं चौपाइयां बनाने की क्षमता रखते हैं। हिन्दू संस्कृति और आध्यात्मिकता के बारे में उनका ज्ञान लोगों को आत्म-प्राप्ति और सर्वोच्च शक्ति के करीब महसूस करने में मदद करता है। वे अपने मधुर भजनों को सुनाते हैं, तो वह भक्तों को दिव्य शांति और प्रेम (भक्ति) की अनूठी दुनिया में ले जाता है

जगद्गुरु रामभद्राचार्य का जन्म 14 जनवरी 1950 को जौनपुर के उत्तर प्रदेश में हुआ था। उनका वास्तविक नाम गिरिधर मिश्र है। बचपन में ही आंख जाने के बाद उनके सामने समस्याएं काफी अधिक थीं। लेकिन उन्होंने अपनी शारीरिक विकलांगता को अपनी ताकत बनाया। दादा ने उन्हें प्रारंभिक शिक्षा दी। रामायण, महाभारत, विश्रामसागर, सुखसागर, प्रेमसागर, ब्रजविलास जैसे किताबों का पाठ कराया। विलक्षण प्रतिभा के धनी गिरधर ने महज तीन साल की उम्र में अपनी पहली रचना अपने दादा को सुनाई तो सब दंग रह गए। जब वे पांच वर्ष के हुए तो श्रीमद्भागवत गीता और आठ वर्ष की आयु में श्रीराम चरितमानस को पूरी तरह कठंस्थ कर लिया था। रामभद्राचार्य महान शिक्षक, संस्कृत विद्वान, बहुभाषाविद, महामनीषी, कवि, लेखक, पाठ्य टीकाकार, कथावाचक, दार्शनिक, संगीतकार, गायक, नाटककार के रूप में भी जाने जाते हैं। उन्होंने संत तुलसीदास के नाम पर चित्रकूट में एक धार्मिक और सामाजिक सेवा संस्थान तुलसी पीठ की स्थापना की। वे चित्रकूट में ही जगद्गुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय के संस्थापक और आजीवन चांसलर हैं। रामानंद संप्रदाय के चार जगद्गुरु में से वे एक हैं। वर्ष 1988 में उन्होंने यह पद धारक हैं। उनकी विलक्षण प्रतिभा एवं दैवीय क्षमताओं का हर कोई कायल है। वे अपने असाधरण कार्यों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन मानव कल्याण को समर्पित किया। नेत्रहीन होते हुए भी उन्होंने अपनी दिव्य दृष्टि से कई भविष्यवाणियां की जिनमें कई सत्य हुई। वे केवल सुनकर ही सीखते हैं और बोलकर अपनी रचनाएं लिखवाते हैं। उन्होंने अपने विवेक प्रदीप्त मस्तिष्क से, विशाल परिकल्पना से, दैवीय शक्ति से प्रभु श्रीराम के जीवन के अन्तर्रहस्यों का उद्घाटन किया है। आपने जो अभूतपूर्व एवं अनूठी दिव्य दृष्टि प्रदान की है, जो भक्ति-ज्ञान का विश्लेषण तथा समन्वय, शब्द ब्रह्म के माध्यम से विश्व के सम्मुख रखा है, उस प्रकाश स्तम्भ के दिग्दर्शन में आज सारे इष्ट मार्ग आलोकित हो रहे हैं। आपके अनुपम शास्त्रीय पाण्डित्य द्वारा, न केवल आस्तिकों का ही ज्ञानवर्धन होता है अपितु नयी पीढ़ी के शंकालु युवकों में भी धर्म और कर्म का भाव संचित हो जाता है। ऐसा प्रतीत होता है आपका प्रभु से सीधा साक्षात्कार होता रहता है।

जुलाई 2003 में रामभद्राचार्य ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में श्रीराम जन्मभूमि बाबरी मस्जिद विवाद मामले के अन्य मूल मुकदमा संख्या 5 में धार्मिक मामलों के विशेषज्ञ गवाह के रूप में गवाही दी । उनके हलफनामे और जिरह के कुछ अंश उच्च न्यायालय के अंतिम फैसले में उद्धृत किए गए हैं। अपने हलफनामे में, उन्होंने रामायण, रामतापनीय उपनिषद, स्कंद पुराण, यजुर्वेद, अथर्ववेद सहित प्राचीन हिंदू ग्रंथों का हवाला दिया, जिसमें अयोध्या को हिंदुओं के लिए पवित्र शहर और श्रीराम की जन्मस्थली बताया गया है। उन्होंने तुलसीदास द्वारा रचित दो रचनाओं के छंदों का हवाला भी दिया, जो उनकी राय में, विवाद के समाधान के लिए प्रासंगिक हैं। पहले उद्धरण में दोहा शतक नामक कृति के आठ छंद शामिल थे, जिसमें मुगल शासक बाबर द्वारा 1528 ईस्वी में विवादित स्थल पर एक मंदिर के विनाश और एक मस्जिद के निर्माण का वर्णन किया गया था, जिसने जनरल मीर बाकी को राम मंदिर को नष्ट करने का आदेश दिया था। जो सनातन धर्मियों द्वारा पूजा का प्रतीक माना जाता है।

सुप्रीम कोर्ट में राम जन्मभूमि बाबरी मस्जिद में रामभद्राचार्य की गवाही सुर्खियां बनी थीं। वेद-पुराणों के उद्धरणों एवं साक्ष्यों के साथ उनकी गवाही का कोर्ट भी कायल हो गया था। श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में वे वादी के तौर पर उपस्थित हुए थे, ऋग्वेद की जैमिनीय संहिता से उन्होंने उद्धरण एवं साक्ष्य दिया था। इसमें सरयू नदी के स्थान विशेष से दिशा और दूरी का बिल्कुल सटीक ब्योरा देते हुए रामभद्राचार्य ने श्रीराम जन्मभूमि की स्थिति बताई थी। कार्ट में इसके बाद जैमिनीय संहिता मंगाई गई। उसमें जगद्गुरु ने जिन उद्धरणों का जिक्र किया था, उसे खोलकर देखा गया। सभी विवरण सही पाए गए। पाया गया कि जिस स्थान पर श्रीराम जन्मभूमि की स्थिति बताई गई, विवादित स्थल ठीक उसी स्थान पर पाया गया। जगद्गुरु के बयान ने फैसले का रुख मोड़ दिया। सुनवाई करने वाले जस्टिस ने भी इसे भारतीय प्रज्ञा का चमत्कार माना। एक व्यक्ति जो देख नहीं सकते, कैसे वेदों और शास्त्रों के विशाल संसार एवं भण्डार से उद्धरण दे सकते हैं, यही ईश्वरीय शक्ति है। रामभद्राचार्य ने श्रीराम मंदिर के उद्घाटन और राम लला की प्राण प्रतिष्ठा में विपक्षी दलों द्वारा न आने के मुद्दे पर कहा कि यह 'राजनीति' नहीं बल्कि 'मूर्खनीति' है। राम लला की प्राण प्रतिष्ठा पर शंकराचार्यों द्वारा उठे सवाल पर भी उन्होंने कहा कि मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा शास्त्रों के अनुसार है क्योंकि 'गर्भ गृह' पूरा हो चुका है।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य ऐसी संत-चेतना हैं जो स्वयं प्रभु श्रीराम एवं श्रीकृष्ण-भक्ति में जागृत हैं और सबके भीतर उस भक्ति की ज्योति जलाने के प्रयास में हैं। उन्होंने अपने जीवन के 75 वर्ष के अमृतकाल में जो कुछ किया, वह न केवल भारत बल्कि दुनिया के लिये अद्वितीय, आश्चर्यकारी, अतुलनीय एवं अनूठा है। उनका जागता पौरुष, ओजस्वी वाणी, श्रीराम एवं श्रीकृष्ण-जीवन की सूक्ष्मगूढ़ता, करुणा एवं सबके साथ सह-अस्तित्व का भाव सबके अभ्युदय एवं हिन्दू सांस्कृतिक पुनर्जागरण की अभिप्रेरणा है। अपनी अमृतमयी, धीर, गम्भीर-वाणी-माधुर्य द्वारा भक्ति रसाभिलाषी-भक्तों को, जनसाधारण एवं बुद्धिजीवियों को, भक्ति का दिव्य रसपान कराकर रसासिक्त करते हुए, प्रतिपल निज व्यक्तित्व व चरित्र में श्रीमद भागवत कथा के नायक श्रीकृष्ण एवं श्रीरामचरितमानस के ब्रह्म श्रीराम की कृपामयी विभूति एवं दिव्यलीला का भावात्मक साक्षात्कार कराने वाले जगद्गुरु रामभद्राचार्य आधुनिक युग के परम तेजस्वी संत हैं, श्रीराम एवं श्रीकृष्ण के व्याख्याकार एवं कथावाचक हैं। वे चलता-फिरता भारतीय आध्यात्मिकता का विश्वकोष हैं। उनकी अद्भुत प्रतिभा, अद्वितीय स्मरण शक्ति और उत्कृष्ट भक्ति जन-जन को प्रेरित करती हैं और करती रहेगी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मानित

नई दिल्ली में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर बुधवार को अर्जुन पुरस्कार विजेता ईशा सिंह (शूटिंग) को सम्मानित करते हुए।

नशीले पदार्थों और कलाश्निकोव ने पाक को बर्बाद किया : प्रधान न्यायाधीश

इस्लामाबाद/भाषा

पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश काजी फैज इसा ने बुधवार अफसोस जताते हुए कहा कि नशीले पदार्थों और कलाश्निकोव ने पाकिस्तान को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने देश से कलाश्निकोव संस्कृति को खत्म करने पर जोर दिया।

उच्चतम न्यायालय ने देश भर के कई अधिकारियों को नोटिस जारी कर प्रतिबंधित हथियारों के लिए जारी किए गए लाइसेंस के बारे में जानकारी भी मांगी है।

देश के शीर्ष न्यायाधीश ने कहा, मादक पदार्थों और कलाश्निकोव ने पाकिस्तान को तबाह कर दिया है। दुनिया भर में कहीं भी कोई काले शीशे वाली बड़ी कारों में कलाश्निकोव लेकर नहीं घूमता। सीजेपी इसा ने कहा कि उन्हें भी कलाश्निकोव का लाइसेंस लेने की पेशकश की गई थी। कलाशनिकोव का मतलब 'एके राइफल' से है।

द न्यूज इंटरनेशनल ने यहां एक सुनवाई के दौरान न्यायाधीश की टिप्पणी के हवाले से कहा, सीजेपी (पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश) इसा ने कहा कि उन्हें भी कलाश्निकोव का लाइसेंस लेने की पेशकश की गई है।

प्रधान न्यायाधीश चोरी के आरोपी एक याचिकाकर्ता की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। याचिकाकर्ता, काशिफ़ पर एक नागरिक के घर में डकैती के बाद चोरी के आरोप में मामला दर्ज किया गया था।

डकैती में हथियार भी चोरी हो गए थे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से विवरण मांगते हुए पूछा, पूरे देश में प्रतिबंधित हथियारों के कितने लाइसेंस जारी किए गए? सीजेपी ने इस बात पर अफसोस जताया कि पुलिस ने उस व्यक्ति से लाइसेंस नहीं मांगा जिसके हथियार चोरी हुए हैं। उन्होंने कहा, हथियारों का मालिक खुद स्वीकार कर रहा है कि दो कलाश्निकोव, एक पिस्तौल तथा अन्य कीमती सामान चोरी गया है।उन्होंने इसके बाद सवाल किया कि याचिकाकर्ता को कलाश्निकोव कहां से मिलीं?

प्रधान न्यायाधीश ने आईजी के खिलाफ भी कार्रवाई के संकेत दिए क्योंकि वह बिना जांच पड़ताल के लाइसेंस जारी कर रहे हैं।

सीजेपी ईसा ने कहा कि इस्लामाबाद में घरों के बाहर गार्ड कलाश्निकोव लेकर खड़े रहते हैं और स्कूलों- बाजारों में लोगों को कलाश्निकोव के साथ देखा जाता है लेकिन पुलिस काले शीशे लगे वाहनों में कलाश्निकोव लेकर घूमने वाले लोगों से पूछताछ करने की हिम्मत तक नहीं जुटा पाती।

इंदौर के 72-वर्षीय एक व्यक्ति ने दुनिया भर से जुटाए रामायण पर आधारित सैकड़ों डाक टिकट

इंदौर (मप्र)/भाषा

डाक टिकटों के संग्रह को लेकर गजब का जुनून रखने वाले इंदौर के 72-वर्षीय एक व्यक्ति ने रामायण पर आधारित सैकड़ों डाक टिकट दुनिया भर से जुटाए हैं। ओमप्रकाश केडिया ने बुधवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि वह पिछले 60 साल से डाक टिकट जुटा रहे हैं और उन्होंने पिछले दो-तीन बरस से वैसे डाक टिकट का संग्रहण शुरू किया, जो अलग-अलग देशों ने रामायण की पृष्ठभूमि पर जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि उनके इस संग्रह में भारत के अलावा इंडोनेशिया, नेपाल, लाओस, म्यांमा, थाईलैंड और कम्बोडिया के डाक टिकट शामिल हैं। इसके अलावा, वर्ष 2018 में आसियान-भारत मैत्री रजत जयंती शिखर सम्मेलन के मौके पर जारी खास डाक टिकट भी उनके संग्रह की शोभा बढ़ा रहे हैं।

केडिया ने बताया, दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में रामायण की कहानी बहुत मशहूर है और इसे वहां अलग-अलग तरह से प्रस्तुत किया जाता है। इन देशों ने राम, सीता, लक्ष्मण, भरत, हनुमान और जटायु सरीखे पात्रों से जुड़ी घटनाओं पर डाक टिकट जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि ब्रितानी शासनकाल में भारतीय नागरिक पोस्ट कार्ड पर रामायण के दृश्य छपवाते थे और उनके संग्रह में ऐसे दुर्लभ पोस्टकार्ड भी शामिल हैं।

डाक विभाग ने केडिया के संग्रह पर यहां एक प्रदर्शनी लगाई है, जो 22 जनवरी तक चलेगी। अयोध्या में भगवान राम के नवनिर्मित मंदिर में 22 जनवरी को होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर लगाई गई यह प्रदर्शनी लोगों का ध्यान आकृष्ट कर रही है।

इंदौर परिक्षेत्र की पोस्टमास्टर जनरल प्रीति अग्रवाल ने बताया, हम 22 जनवरी को इस प्रदर्शनी के समापन पर राम मंदिर को लेकर विशेष आवरण जारी करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवायूर में भगवान कृष्ण के मंदिर में की पूजा-अर्चना

त्रिशूर (केरल)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केरल के गुरुवायूर में विख्यात भगवान कृष्ण मंदिर में बुधवार को पूजा-अर्चना की और अभिनेता से नेता बने सुरेश गोपी की बेटी की शादी में शामिल हुए, जिसमें मलयालम सिनेमा के बड़े सितारे भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री पूजा के दौरान पारंपरिक परिधान 'मुंडू' और 'वेष्टि' (सफेद शॉल) धारण किए हुए थे। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, पवित्र गुरुवायूर मंदिर में प्रार्थना की। इस मंदिर की दिव्य ऊर्जा अपार है। मैंने प्रार्थना की है कि हर भारतीय खुश और समृद्ध हो।

मोदी ने इसके बाद अपने परिधान बदले और गोपी की बेटी की शादी में शामिल हुए।

सुरक्षा व्यवस्था के लिए मंदिर में तैनात एक पुलिस अधिकारी ने एक टीवी चैनल को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने वर-वधू को मालाएं दीं, जो उन्होंने एक-दूसरे को पहनाईं।

विभिन्न टीवी चैनल पर प्रसारित दृश्यों में मोदी नवविवाहित जोड़े को हाथ मिलाकर आशीर्वाद देते हुए भी दिख रहे हैं, वहीं यह जोड़ा मोदी के पैर छूकर आशीर्वाद लेता हुआ दिख रहा है।

अधिकारी ने बताया कि इस अवसर पर ममूटी, मोहनलाल और दिलीप समेत कई फिल्मी सितारे भी वहां मौजूद रहे और प्रधानमंत्री ने सभी से बातचीत की। उन्होंने बताया कि मोदी ने गोपी की बेटी की शादी से पहले सुबह मंदिर में शादी करने वाले अन्य जोड़ों को भी आशीर्वाद दिए और मिठाइयां खिलाईं। टीवी चैनल के दृश्यों में प्रधानमंत्री को गुरुवायूर में अभिनेताओं के साथ-साथ कई नवविवाहित जोड़ों को अक्षत सौंपते हुए भी दिखाया गया। प्रधानमंत्री के दौरे के कारण मंदिर में सुबह से ही कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मोदी सुबह करीब 7.35 बजे हेलीकॉप्टर से गुरुवायूर पहुंचे। उनका हेलीकॉप्टर श्रीकृष्ण कॉलेज मैदान पर उतरा जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सैंकड़ों समर्थक और कार्यकर्ता घंटों से उनके स्वागत में खड़े थे।

मोदी के स्वागत के लिए हेलीपैड पर मौजूद लोगों ने भाजपा के झंडे लहराए।

भारत 'सफलता की एक असाधारण गाथा है': अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन

दावोस/भाषा। भारत को 'सफलता की असाधारण गाथा' बताते हुए अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियां एवं कार्यक्रम भारत के लोगों के लिए बहुत लाभप्रद रहे हैं।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक, 2024 में यहां उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन एवं प्रधानमंत्री मोदी के बीच बेहतरीन रिश्ते हैं तथा उनकी बातचीत में भारत-अमेरिका संबंध समेत सभी पहलू शामिल होते हैं।

दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार की सराहना करते हुए ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका और भारत निरंतर संवाद में लगे रहते हैं तथा उसमें लोकतंत्र एवं मूल अधिकार समेत सभी पहलू शामिल रहते हैं। उन्होंने कहा, सदैव हमारे बीच जो वास्तविक वार्ता होती रही है, यह उसी का हिस्सा है।

वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि मोदी के शासन में भारत की तीव्र आर्थिक विकास एवं बुनियादी ढांचा विनिर्माण की तेज रफ्तार के बाद भी क्या हिंदू राष्ट्रवाद का उभार अमेरिका के लिए चिंताजनक है।

स्वागत

त्रिशूर में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बुधवार को केरल के त्रिप्रयार पहुंचने पर लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी विद्या बालन

मुंबई/एजेन्सी

इस साल दर्शकों को 'भूल भुलैया 3' देखने को मिलेगी। इस फिल्म की शूटिंग मार्च में शुरू होगी। अनीस बज्मी के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म में कार्तिक आर्यन एक बार फिर से रूह बाबा के रूप में दर्शकों को रोमांचित करते नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि दर्शकों पर पकड़ बनाने के लिए इस फिल्म में और ज्यादा एक्साइटमेंट डाली जाएगी। इसमें कई ट्विस्ट भी होंगे। वहीं दूसरी तरफ कुछ दिनों पहले समाचारों में बताया गया था कि इस फिल्म में मंजुलिका के रूप में विद्या बालन की वापसी होगी। बताया जा रहा है कि विद्या बालन फ्रेंचाइजी में मंजुलिका के रूप में वापसी कर रही हैं। फिल्म से जुड़े सूत्र ने इंडिया टुडे को बताया है कि 'मेकर्स इस बात को सुनिश्चित करने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं कि भूल भुलैया 3 दर्शकों के बीच हिट साबित हो। इसमें विद्या बालन मंजुलिका के किरदार में वापसी करेंगी। विद्या को ये पार्ट ऑफर हुआ था और वो एक बार फिर मंजुलिका का किरदार निभाने के लिए काफी उत्साहित हैं।'

फिल्म की हीरोइन की बात करें तो अभी मेकर्स ने किसी के नाम का ऐलान नहीं किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सारा अली खान को कार्तिक के साथ फिल्म में देखा जा सकता है। हालांकि मेकर्स अभी इस रोल को लेकर अलग-अलग एक्टर्स से बातचीत कर रहे हैं। अभी हीरोइन फाइनल नहीं की गई है। मेकर्स किसी ऐसी एक्ट्रेस की तलाश में हैं जो विद्या बालन के सामने टिक सके। अगर सब कुछ सही रहा तो इस साल के फरवरी तक 'भूल भुलैया 3' को अपनी फीमेल लीड मिल जाएगी। 'भूल भुलैया' फ्रेंचाइजी की बात करें तो साल 2007 में पहली फिल्म रिलीज हुई थी। इसमें अक्षय कुमार, विद्या बालन और शाइनी आहूजा को देखा गया था। वहीं 2022 में दूसरी फिल्म आई, जिसमें कार्तिक और कियारा की जोड़ी को देखा गया। इसमें तब्बू ने डबल रोल निभाया था। उन्हें मंजुलिका के साथ-साथ अंजुलिका के रोल में देखा गया था, जो जुड़वा बहनें थीं। 'भूल भुलैया 3' की रिलीज डेट दिवाली 2024 तय की गई है।

पटना में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी बुधवार को पटना में मकर संक्रांति समारोह के दौरान।

'कर्मा कॉलिंग' में अपने लुक के लिए रवीना टंडन ने ली बेटी राशा की मदद

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई। 'कर्मा कॉलिंग' में अपने किरदार इंद्राणी कोठारी को लेकर अभिनेत्री रवीना टंडन ने खुलासा किया कि उन्होंने शो में अपने ग्लैमरस लुक के लिए अपनी बेटी राशा से टिप्स ली। रवीना द्वारा अभिनीत अलीबाग की राजरानी इंद्राणी कोठारी हर तरह से ग्लैमरस और चकाचौंध वाली हैं, लेकिन कोई नहीं जानता कि स्क्रीन पर इस आदर्श चरित्र को बनाने के पीछे कौन है। इसके बारे में बात करते हुए रवीना ने कहा, इंद्राणी कोठारी का किरदार निभाने का सबसे चुनौतीपूर्ण लेकिन महत्वपूर्ण हिस्सा उनके ग्लैमरस दृष्टिकोण को निभाना था। वो सभी चीजें असाधारण और जीवन से भी बड़ी हैं। इससे पहले कि हम उसका अंतिम लुक तय करते, हमारे पास 50 से अधिक लुक टेस्ट और कॉस्ट्यूम ट्रायल थे। अभिनेत्री ने शेयर किया, 'एक टीम के रूप में हमें इस बात पर आश्वस्त होने की जरूरत थी कि इंद्राणी कैसे कपड़े पहनती थी और दिखती थी। उत्तम दर्जे के मेकअप, बालों और रंग-बिरंगे चमकदार परिधानों से लेकर इंद्राणी कोठारी के चरित्र में भव्यता झलकनी थी।'

'मोहरा' फेम अभिनेत्री ने कहा कि कैसे निर्देशक रुचि नारायण और निर्माता आशुतोष की बा उन्होंने कहा, 'इंद्राणी की दुनिया में उससे बेहतर कोई नहीं है। इंद्राणी द्वारा पहने जाने वाले ट्रेंडी स्टाइलिश और चमकदार परिधानों में फिट बैठने के लिए मैंने अपनी बेटी राशा से कुछ सुझाव भी लिए।' सीरीज 'कर्मा कॉलिंग' में अलीबाग की रानी इंद्राणी कोठारी (रवीना टंडन) को दिखाया गया है, जो कर्मा तलवार (नम्रता) से मुकाबला करने के लिए तैयार है क्योंकि रहस्य अंधेरे हैं और दांव ऊंचे हैं। आर.ए.टी फिल्म्स द्वारा निर्मित, रुचि नारायण द्वारा निर्देशित इस सीरीज में रवीना, नम्रता सेठ, वरुण सूद के साथ-साथ गौरव शर्मा, वालुस्चा डिसूजा, एमी एला, विराफ पटेल, पीयूष खाती प्रमुख भूमिका में हैं। यह 26 जनवरी को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने वाली है।

ट्विंकल खन्ना ने ब्रिटेन के गोल्डस्मिथ कॉलेज से स्नातकोत्तर डिग्री ली

मुंबई/भाषा

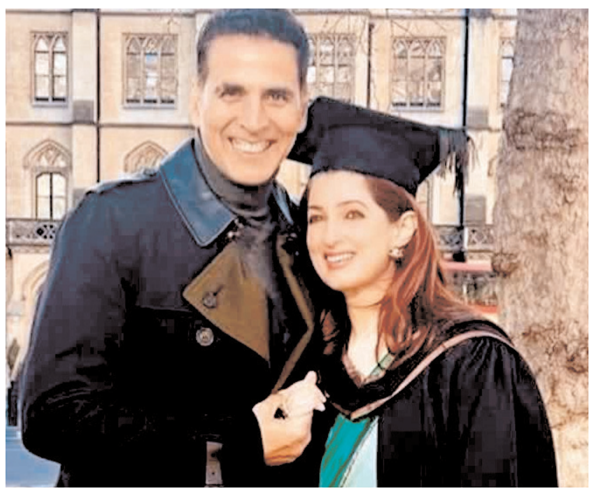

अभिनेत्री से लेखिका बनीं ट्विंकल खन्ना ने लंदन विश्वविद्यालय के गोल्डस्मिथ कॉलेज से गल्प लेखन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम पूरा कर लिया है। खन्ना की उपलब्धि पर उनके पति अभिनेता अक्षय कुमार ने बधाई दी है। खन्ना ने मंगलवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कार्यक्रम का एक वीडियो साझा किया। हाल ही में खन्ना ने उपन्यास ''वेलकम टू पैराडाइज'' लिखा है। खन्ना ने लिखा, ''और अब दीक्षांत समारोह...। गोल्डस्मिथ में मेरा पहला दिन...दो तरह के एहसास हैं जैसे यह कल की ही बात हो और ऐसा जैसे यह कई साल पहले की बात हो। एक धूप वाला दिन, एक सुंदर साड़ी और मेरे साथ मेरा परिवार इस दिन को जितना मैंने कभी सोचा था उससे भी बेहतर बना देता है।'' ''बरसात'', ''बादशाह'', ''जोड़ी नंबर 1'' और ''मेला'' समेत कई अन्य फिल्मों का हिस्सा रह चुकीं खन्ना ने 2022 में ब्रिटेन के कॉलेज में दाखिला लिया था।

खन्ना के पति व अभिनेता अक्षय कुमार डिग्री प्रदान किए जाने के अवसर पर आयोजित समारोह में उनके साथ थे। कुमार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में अपनी पत्नी को बधाई देते हुए उन्हें ''सुपर वुमन'' बताया।' अभिनेता ने पोस्ट किया, ''दो साल पहले जब आपने मुझसे कहा था कि आप फिर से पढ़ाई करना चाहती हैं, तो मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या आपका यही मतलब था। लेकिन जिस दिन मैंने आपको इतनी मेहनत करते और घर, करियर, अपने तथा बच्चों को संभालने के साथ-साथ छात्र के रूप में आगे बढ़ते देखा, मुझे पता चला कि मैंने एक सुपर वुमन से शादी की है।'' कुमार ने लिखा, ''आज आपके ग्रेजुएशन पर, मुझे लगता है कि काश मैंने थोड़ा और अध्ययन किया होता ताकि मुझे इतने शब्द मिल पाते कि मैं आपको बता सकूं कि आप मुझे कितना गौरवान्वित महसूस कराती हो, टीना। बधाई हो और आपको ढेर सारा प्यार।'' खन्ना (50) और कुमार (56) बुधवार को अपनी शादी की 23वीं सालगिरह मना रहे हैं। खन्ना और कुमार बेटे आरव और बेटी नितारा के माता-पिता हैं।

फिल्म 'काली मेहंदी' की शूटिंग शुरू

मुंबई/वार्ता

निर्माता रत्नाकर कुमार की आने वाली फिल्म 'काली मेहंदी' की शूटिंग शुरू हो गयी है। फिल्म काली मेहंदी का निर्देशन धीरू यादव कर रहे हैं।'काली मेहंदी' में माही श्रीवास्तव, संजय पांडे,मनोज टाइगर, विजय शुक्ला, संदीप यादव, धर्मेंद्र सिंह, राव रणविजय, विद्या सिंह, उजाला यादव, सोनू कुमार, योगेश पांडे सहित कई अन्य कलाकार हैं। निर्माता रत्नाकर कुमार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से भोजपुरी फिल्म काली मेहंदी की घोषणा की है, जिसमें उन्होंने अभिनेत्री, निर्देशक एवं अन्य लोगों के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की है। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा है न्यू ईयर... न्यू फिल्म...शूटिंग स्टार्ट ऑफ फिल्म काली मेहंदी कंटिन्यू टू ब्रिंग यू ग्रेट स्टोरी इन सिनेमा...डायरेक्टेड बाय धीरू यादव, राइटेड धर्मेंद्र सिंह प्रोड्यूस बाय रत्नाकर कुमार को प्रोड्यूसर निवेदिता कुमार। रत्नाकर कुमार ने कहा है कि फिल्म की कहानी बहुत ही बेहतरीन होने वाली है। जो दर्शकों को एक अनुभव प्रदान करेगी। ऐसा नहीं है की फिल्म का नाम काली मेहंदी है तो यह कोई महिला प्रधान फिल्म होने वाली है। इस फिल्म में आपको हर एक कैरेक्टर अपने आप में सजग नजर आएगा। किसी भी फिल्म के टाइटल से इस बात का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है कि यह फिल्म महिला प्रधान है या पुरुष प्रधान है, लेकिन जब इस फिल्म का ट्रेलर और टीजर रिलीज होगा, तो दर्शकों के लिए एक सरप्राइज पैकेज की तरह होगा। बस इतना ही कहूंगा कि यह फिल्म दर्शकों को एक बार फिर से समाज के प्रति सोने पर मजबूर कर देगी।

निर्देशक धीरू यादव ने कहा कि मैं पहले भी रत्नाकर कुमार के साथ काम कर चुका हूं। उनके साथ काम करना मतलब एकदम फ्री होकर अपने काम को अंजाम देना होता है। वह किसी भी प्रकार से हमारे काम में हस्तक्षेप नहीं करते हैं। बल्कि हमें और अच्छा काम करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है। जल्द ही इस फिल्म के अन्य कलाकारों के साथ आपको रूबरू किया जाएगा।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के सिमंधरस्वामी राजेन्द्रसूरी जैन श्वेताम्बर मंदिर मामुलपेट व राजेन्द्रसूरी जैन ज्ञान मंदिर चिकपेट के संयुक्त तत्वावधान में साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी, गौयमरत्नाश्रीजी व परमप्रज्ञाश्रीजी के सान्निध्य में बुधवार को दादा गुरुदेव राजेन्द्रसूरीश्वरजी की 197वीं जयंती व 117वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर मामुलपेट मंदिर से साध्वीश्री के सान्निध्य में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी।

जेएटीएफ बलडोटा छात्रावास में एनेक्स इमारत व डिजिटल पुस्तकालय का हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर में जैन छात्राओं के लिए स्थापित जेएटीएफ बल्डोटा छात्रावास में नवीन एनेक्स इमारत और डिजिटल पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया। बलडोटा परिवार के सौजन्य से स्थापित छात्रावास में दस नए कमरे जोडे गए है जिसमें कुल 175 छात्राओं रह सकेगी । छात्रावासा में पुनमिया परिवार के सहयोग से डिजिटल पुस्तकालय जोडा गया है। दानदाता परिवार के नरेंद्रकुमार चित्रादेवी बलडोटा और मुकेश पुनमिया ने नवीन सुविधाओं का उद्घाटन किया गया। ज्ञातव्य है कि उच्च शिक्षा लेने के लिए आने वाली जैन बालिकाओं के रहने की सुविधा के लिए यह छात्रावास तीन वर्ष पूर्व स्थापित हुआ था। लाभार्थी बलडोटा व पुनमिया परिवार सहित छात्रावास से जुड़े अनेक सदस्य उपस्थित थे।

उद्घाटन समारोह में जीतो एपेक्स सलाहकार समिति के

चेयरमैन तेजराज गुलेच्छा , जेएटीफ़ के चेयरमैन विनोद दुग्गड़, अध्यक्ष नरेंद्र जैन, उपाध्यक्ष विक्रम करबावाला और संस्था की राष्ट्रीय समिति के सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम में हॉस्टल प्रोजेक्ट के प्रकाश सिंघवी, निर्माण कार्य के चेयरमैन दिलीप कोठारी, कोषाध्यक्ष महावीर ओस्तवाल, जीतो साऊथ के चेयरमैन दिनेश बोहरा, जीतो नार्थ के चेयरमैन इंदरचंद बोहरा, छात्रावास के समन्वयक अशोक करबावाला, विनोद दुग्गड़, नरेन्द्र जैन आदि भी उपस्थित थे।

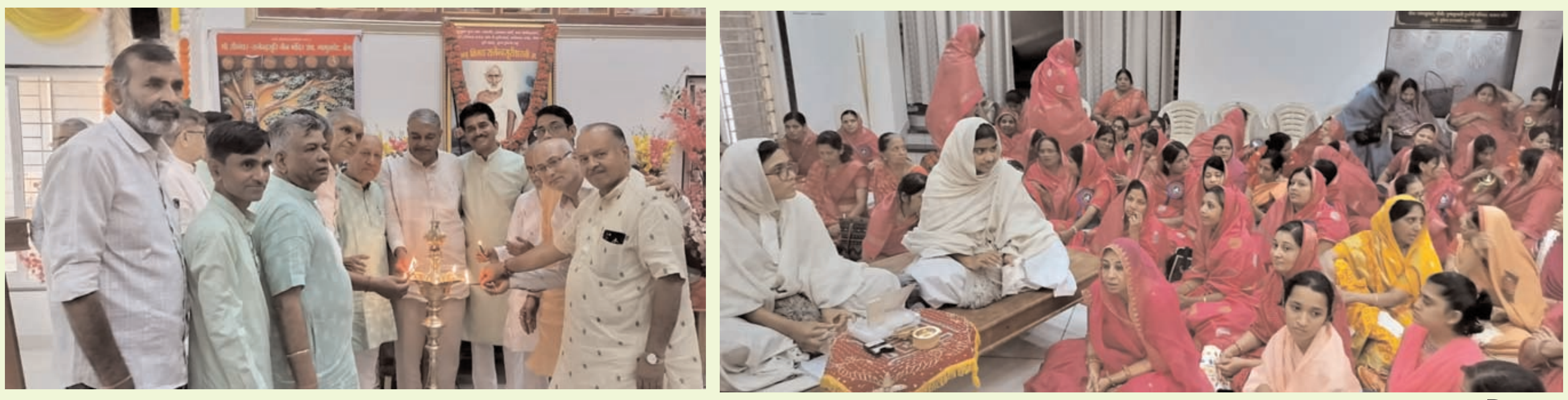

'गुरु हमेशा पुण्य से व पुण्यशाली को मिलते हैं'

राजेन्द्र गुरुदेव की जयंती व पुण्यतिथि पर श्रद्धालुओं ने किया गुणस्मरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेन्द्रसूरी जैन श्वेताम्बर मंदिर मामुलपेट व राजेन्द्रसूरी जैन ज्ञान मंदिर चिकपेट के संयुक्ततत्वावधान में साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी, गौयमरत्नाश्रीजी व परमप्रज्ञाश्रीजी के सान्निध्य में बुधवार को दादा गुरुदेव राजेन्द्रसूरीश्वरजी की 197वीं जयंती व 117वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर मामुलपेट मंदिर से साध्वीश्री के सान्निध्य में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जो कि चिकपेट, बीवीके अय्यंगार रोड, किल्लारी रोड होते हुए राजेन्द्र भवन पहुंचकर गुणानुवाद सभा में परिवर्तित हो गई। इस मौके पर किल्लारी रोड स्थित गुरु राजेन्द्र भवन में गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में गुरु भक्तों ने भाग लिया।

इस मौके पर सिंमधर स्वामी राजेन्द्रसूरी संघ मामुलपेट के ट्रस्टियों व लाभार्थियों ने गुरुदेव के चित्र व अभिधान कोष को विराजमान कर उनके सामने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। लाभार्थियों ने गुरुदेव की पूजा व धूप दीप किया। पूजा के पश्चात संघ के अध्यक्ष मेघराज भंसाली ने सभी का स्वागत किया। गुरु भक्तों ने गुरु की जीवनी पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरुदेवश्री का पुण्य इतना प्रबल है कि उनके नाम स्मरण मात्र से हमारे सारे कार्य सफल हो जाते है। साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी ने कहा कि जिस प्रकार फूलों में सर्वश्रेष्ठ गुलाब होता है वैसे ही गुरुओं में भी सर्वश्रेष्ठ है गुरु राजेन्द्रसूरीश्वरजी। गुरु का उपकार जिस पर हो जाता है उसका कल्याण हो जाता है। गुरु हमेशा पुण्य से व पुण्यशाली को मिलते हैं और जिसको भी मिलते है उसका जीवन सफल हो जाता है। राजेन्द्र सूरी ने जिनशान के लिए अनेक कार्य किए तथा उन्हें अनेक पदवियों से नवाजा गया परन्तु उन्होंने कभी की पद व पदवी को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। राजेन्द्र सूरी एवं सरल व तपस्वी संत थे। गुरुदेव द्वारा जिनशासन की एकता व जनकल्याण के लिए जो कार्य किए उनका स्मरण करते हुए तप की महिमा गाई। साध्वीश्री ने कहा कि यदि हम गुरु से पास समर्पण भाव से जाएंगे तो हमारे सारे कार्य सफल होंगे।

इस मौके पर वार्षिक चढ़ावों में श्रद्धालुओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। गुरुदेव की आरती के बाद भाता वितरण किया गया। इस समारोह में आंयबिल तप का लाभ अखिल भारतीय राजेन्द्रसूरी नवयुवक परिषद बेंगलूरु शाखा ने लिया तथा राजेन्द्र जैन सोवा मंडल सिंमधर स्वामी राजेन्द्रसूरी आरती मंडल,ढंढार जैन युवा मंडल, राजेन्द्र सूरी महिला मंडल के सदस्यों ने व्यवस्था संभाली। शाम को मंदिर में रौनक पटियात ने गुरु भक्ति की।

कार्यक्रम में अध्यक्ष सहित कोषाध्यक्ष तिलोक भंडारी, दिलीप कांकरिया, तेजराज कुहाड़, शांतिलाल गादिया, कांतिलाल कीर्तिकुमार, जयंतीलाल नाहर, प्रवीण वाणीगोता, चम्पालाल गादिया, नरपत भंडारी, कैलाश भंडारी, घेवरचन्द गुलाबचन्द, प्रदीप वेदमुथा, लेखराज दोशी, सुरेश जैन आदि उपस्थित थे। विक्रम गुरुजी ने सभा का संचालन किया। तिलोक भंडारी ने सभी को धन्यवाद दिया।

मोदी के फिर से प्रधानमंत्री बनने को लेकर वैश्विक नेतृत्व भी आश्वस्त : ईरानी

दावोस (स्विट्जरलैंड)/भाषा

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बुधवार को कहा कि वैश्विक नेतृत्व भारत में इस साल होने वाले आम चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फिर से सत्ता में आने को लेकर आश्वस्त है और उसे उनके द्वारा लाई गई नीतियों और सामाजिक क्षेत्र में किए गए सुधारों के जारी रहने की उम्मीद है।

मंत्री ने यहां विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक 2024 में 'पीटीआई' के साथ साक्षात्कार के दौरान कहा कि यह तथ्य बहुत कुछ बताता है कि वैश्विक नेतृत्व, विशेष रूप से वैश्विक वित्तीय नेतृत्व प्रधानमंत्री मोदी का दावोस में फिर से स्वागत करने को लेकर उत्सुक है। उन्होंने कहा कि यहां मौजूद वैश्विक नेता ऐसे समय में एक उदार और विश्वसनीय भागीदार के रूप में भारत की बात कर रहे हैं, जब कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं की हालत खराब है और समग्र भू-राजनीतिक परिदृश्य विखंडित है।

मोदी ने 2018 में यहां डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक में भाग लिया था। उन्होंने 2021 और 2022 में वैश्विक नेताओं की इस सभा को डिजिटल तरीके से संबोधित किया था।

महिला एवं बाल विकास के साथ-साथ अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री ईरानी यहां डब्ल्यूईएफ वार्षिक बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही हैं, जिसमें विश्व भर की सरकारों, व्यवसायों, शिक्षा जगत, कला जगत और संस्कृति जगत और नागरिक समाज के लगभग 3,000 नेता भाग ले रहे हैं।

ईरानी ने वैश्विक नेताओं के साथ उनकी बातचीत के बारे में पूछे जाने पर कहा कि विश्वभर के नेता भारत की विकास गाथा और इसकी भावी क्षमताओं और देश में नीतिगत एवं राजनीतिक स्थिरता को लेकर भी आश्वस्त हैं। उन्होंने कहा कि विश्व आर्थिक मंच के अध्यक्ष (बोर्गे ब्रेंडे) ने भी एक साक्षात्कार में सार्वजनिक रूप से कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि वह 2025 में प्रधानमंत्री मोदी को दावोस में पुन: आमंत्रित करेंगे। उन्होंने कहा, इसका मतलब है कि वैश्विक समुदाय प्रधानमंत्री मोदी के दोबारा सत्ता में आने को लेकर आश्वस्त है।

ईरानी ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी न केवल नीतिगत सुधारों को लेकर बल्कि यह सुनिश्चित करने को लेकर भी दृढ़ रहे हैं कि हमारी विकास गाथा में सामाजिक क्षेत्र को नजरअंदाज न किया जाए।

मंत्री ने कहा कि समावेशी विकास एजेंडे में भारत के योगदान को दावोस में सराहा जा रहा है। उन्होंने कहा, आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) क्षेत्र में हमारी डिजिटल क्षमता के अलावा यह तथ्य भी दावोस में चर्चा का विषय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया को दिखाया है कि डिजिटल लोकतंत्र कैसे काम करता है।

ईरानी ने कहा कि दुनिया देख रही है कि प्रधानमंत्री मोदी के शासन के एजेंडे के तहत भारत में कैसे सामाजिक क्रांति लाई गई और विश्व इसका अनुकरण करना चाहता है। उन्होंने कहा कि भारत ने कोविड-19 महामारी के दौरान स्वास्थ्य सेवा संबंधी बुनियादी ढांचे के संबंध में जो मानवीयता दिखाई, वैक्सीन मैत्री के तहत भारत ने 160 से अधिक देशों को जो मदद दी, उसने देश को स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में न केवल ख्याति दिलाई, बल्कि यह भी साबित किया कि जब दुनिया को जरूरत पड़ती है तो भारत और भारतीयों ने समाधान मुहैया कर जिम्मेदारी पूर्ण कदम उठाए हैं।

एआई (कृत्रिम मेधा) के जरिये गलत सूचना और दुष्प्रचार को दुनिया के समक्ष एक प्रमुख जोखिम के तौर पर उल्लेख किए जाने पर, ईरानी ने कहा कि भारत ने लोगों को शामिल करने और यह सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत प्रणाली बनाई है कि उन्हें (लोगों को)फर्जी खबरों के खतरे के बारे में अच्छी तरह से जानकारी मिले। साथ ही कहा कि सरकार और मीडिया दोनों किसी भी गलत सूचना और दुष्प्रचार का भंडाफोड़ करने को लेकर भागीदारी कर रहे हैं।

श्याम मंदिर की 11वीं वर्षगांठ की तैयारियों का एक दृश्य

बेंगलूरु के खाटू श्याम मंदिर का वार्षिकोत्सव आज

वार्षिकोत्सव पर निशान यात्रा व भजन संध्या का आयोजन

मंदिर की फूलों से की गई विशेष सजावट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय बन्नरघट्टा रोड पर श्याम मंदिर ट्रस्ट द्वारा संचालित खाटू श्याम मंदिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आज गुरुवार कोमंदिर प्रतिष्ठा का 11वां वार्षिकोत्सव मनाया जा रहा है। इस अवसर पर सुबह 9 बजे चंद्रप्रकाश रामसिसरिया गौशाला से श्रद्धालु विशाल निशान यात्रा व शोभायात्रा के साथ रवाना होकर श्याम मंदिर पहुँच कर बाबा को निशान अर्पित करेंगे। उसी दिन दोपहर 3 बजे से मंदिर प्रांगण में भजन संध्या का आयोजन होगा जिसमें अहमदाबाद से आ रहे

भजन गायक नंदू शर्मा व मुम्बई से आ रहे भजन गायक राजू खंडेलवाल भजनों की प्रस्तुति देकर बाबा श्याम को रिझाएंगे।

इस वार्षिकोत्सव के मौके पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर के संस्थापक सदस्यों ने निशान अर्पण व बाबा की दर्शन के लिए विशेष व्यवस्थाएं की है। इस वर्ष पूरे मंदिर परिसर को फूल पत्तों व रंगबिरंगी रोशनी से सजाया जा रहा है। बाबा श्याम की प्रतिमा का ताजे फूलों से अलौकिक श्रृंगार किया जा रहा है। इसके अलावा अखंड ज्योत, मनमोहक श्रृंगार व छप्पन भोग मुख्य आकर्षण होगा। भक्तों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए ट्रस्ट द्वारा श्याम मंदिर के आगे नेशनल पार्क के ग्राउंड में निशुल्क पार्किंग की व्यवस्था की जा रही है। खाटू वाले बाबा श्याम की अलौकिक श्रृंगार के दर्शन के लिए हर श्याम भक्त उत्सुक है। ट्रस्ट के सभी संस्थापक ट्रस्टियों ने सभी श्याम भक्तों से मंदिर आने का निवेदन किया है।

देवी पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

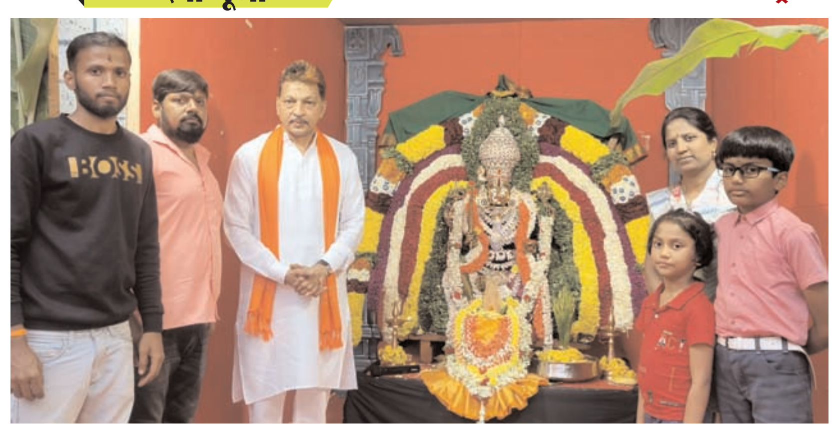

बेंगलूरु के विश्व विनायक सेवा संघ पैलेस गुट्टहली द्वारा नगरदेवता अणम्मा पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर मां अणम्मा की पूजा की तथा दर्शन किए। इस मौके पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां की विशेष पूजा अर्चना कर जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। इस अवसर पर आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

मंदिर साफ सफाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली के आंजणा पटेल समाज सेवा संघ द्वारा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में मंदिरों व तीर्थों की सफ़ाई अभियान कार्यक्रम के तहत बुधवार को शहर के राधे कृष्णा एवं राजेश्वर भगवान् मंदिर परिसर सहित राजेश्वर भवन कर साफ सफाई की तथा अभियान में सहयोग किया। इस आयोजन में संघ के अनेक सदस्यों ने अपने हाथों से श्रमदान किया।

राम मंदिर को लेकर दावोस में भी हलचल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावोस/भाषा। अयोध्या स्थित राम मंदिर को लेकर विश्व आर्थिक मंच(डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के दौरान स्विट्जरलैंड के स्की रिसॉर्ट शहर दावोस में भी काफी गहमागहमी देखने को मिल रही है। श्द्धालु यहां आगामी सोमवार को अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन राम भजन आयोजित करने और दीये जलाने की योजना बना रहे हैं।

इसके अलावा सरकारी और निजी क्षेत्र के कई वैश्विक कारोबारी लोग भारतीय प्रतिनिधिमंडल से इस संबंध में जानकारी हासिल कर रहे हैं। ये लोग उत्तर प्रदेश के शहर अयोध्या को एक बड़े धार्मिक और पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने से सृजित कारोबारी और अवसरंचना संबंधी अवसरों के बारे में जानना चाहते हैं।

डब्ल्यूईएफ वार्षिक बैठक-2024 से इतर 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि वह श्द्धालुओं के एक समूह से मिली जिसने उनसे पूछा कि क्या वे भी राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह मना सकते हैं। उन्होंने कहा, यहां कुछ राम भक्तों ने मुझसे एक संदेश रिकॉर्ड करने के लिए कहा ताकि यहां के समुदाय को राम भजन करने और 22 जनवरी को दीये जलाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कई अन्य नेताओं का अयोध्या स्थित राम मंदिर में 22 जनवारी को आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होना तय है।

इस समारोह में 8000 से अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री ईरानी ने कहा, हर धर्म का सम्मान करते हुए हमने लंबे समय तक प्रतीक्षा की कि भगवान घर आएंगे। अन्य राज्यों के अलावा उत्तर प्रदेश ने भी डब्ल्यूईएफ वार्षिक बैठक और आगंतुकों के लिए यहां एक पवेलियन स्थापित किया है। दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की 54वीं वार्षिक बैठक 15 जनवरी से 19 जनवरी 2024 तक जारी रहेगी। ईरानी डब्ल्यूईएफ में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही हैं। ईरानी के साथ पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी, रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के डीपीआईआईटी के सचिव आरके सिंह भी बैठक में हिस्सा ले रहे हैं।

विश्व आर्थिक मंच के विभिन्न सत्रों में भारतीय प्रतिनिधिमंडल अन्य वैश्विक राजनीतिक और व्यापारिक लोगों की उपस्थिति में शिक्षा, जैव ईंधन, लैंगिक विषमता, नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर और विनिर्माण के विषयों पर अपने विचार रखेगा।

विश्व आर्थिक मंच की बैठक में पांच दिनों में कुल 21 सत्र आयोजित किए जाएंगे। 'इंडिया लाउंज' के साथ मिलकर विश्व आर्थिक मंच में पांच 'स्टेट लाउंज' की स्थापना भारत की समेकित और प्रमुख भूमिका को रेखांकित करती है, जो वैश्विक स्तर पर सहयोग और चर्चा को बढ़ावा देती है।

इन पांच राज्यों में कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। भारत के कारोबारी प्रतिनिधियों की संख्या 80 से अधिक है। कुछ भारतीय कंपनियों ने दावोस में 'लाउंज' के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com